



खबर पेज 10 पर



स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



वाई 29 में गरीबों की चीख-पुकार सुनने वाला ... ▶▶ 4



हिंदी फिल्म जगत की पहली डांसिंग क्वीन थीं कुक्कू ... ▶▶ 7



2 से 10 अक्टूबर तक सेवा मेरा योगदान ... ▶▶ 9

मौसम

अधिकतम तापमान

33.4 °C

न्यूनतम तापमान

22.3 °C

सूर्योदय - 6.02

सूर्यास्त - 5.58

तीरंदाजी में भारत की गोल्डन हैट्रिक



नागोया।

शूटिंग में नीरू-किनान ने भी जीता स्वर्ण पदक

स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर गोल्डन हैट्रिक पूरी की। ज्योति

एशियन गेम्स 2026 के 11वें दिन यानी 30 सितंबर को भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में भारत ने कंपाउंड की तीनों टीम

सुरेखा वेंनम, पृथिका प्रदीप और चिकिथा तनिपर्थी की महिला टीम ने चीन को हराकर दिन का पहला गोल्ड दिलाया, जबकि चिकिथा और साहिल राजेश जाधव की मिश्रित टीम ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर दूसरा स्वर्ण जीता। पुरुष कंपाउंड टीम ने भी चीन को मात देकर भारत के लिए तीसरा गोल्ड पका किया। शूटिंग में नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने मिक्स्ड ट्रेप में स्वर्ण जीता। कुश्ती में सुनील कुमार ने कांस्य पदक हासिल किया, जबकि मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन फाइनल में पहुंच गई। भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी दक्षिण कोरिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि स्क्वाश की पुरुष और महिला टीमों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पकड़े किए। (पेज 10 भी देखें)

अच्छा होगा कि हम यूपी पुलिस को भंग कर दें

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की कार्यशैली पर जताई कड़ी नाराजगी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को घर में घुसकर मारपीट और छेड़छाड़ के एक मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते कड़ी फटकार लगाई। कहा पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था फिर भी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि बेहतर हो कि यूपी पुलिस को भंग कर दिया जाए और इसके सभी मामले सीबीआई को जांच के लिए दे दिये जाएं। ये तीखी टिप्पणियां न्यायमूर्ति संजय कुमार और संजीव सचदेवा की पीठ ने बुलंदशहर जिले में छेड़छाड़ के एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं। कोर्ट ने थाना अध्यक्ष को अगली सुनवाई पर मौजूद रहने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा आप इसी तरह काम करते हैं। हमने कई मामलों में कमियां देखी हैं। आपका कोई न कोई एजेंडा होता है। अगर आप मामलों को इस तरह संभालेंगे तो लोग आप पर कैसे भरोसा करेंगे। बेहतर होगा कि हम सीबीआई से कहें कि



वह यूपी पुलिस की सभी जांचें अपने हाथ में ले ले। इससे तो अच्छा है कि हम यूपी पुलिस को भी भंग कर दें। याचिकाकर्ता का दावा था कि पुलिस ने अज्ञात मोटरसाइकिल सवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जबकि संदिग्ध को मौके पर ही पकड़ कर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया था। यह भी कहा कि जिस मोटरसाइकिल की बात हो रही है, जब्त किये जाने के समय उस पर कोई नंबर प्लेट नहीं थी, लेकिन जांच के

दौरान उसे रहस्यमय तरीके से रजिस्ट्रेशन नंबर दे दिया गया। आरोप लगाया कि उन्होंने सुबह शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन रिकार्ड में समय रात नौ बजे का दिखाया गया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस का पक्ष रख रहे वकील से सवाल किया कि अगर व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया था, तो आपने अज्ञात क्यों लिखा? लोग पुलिस पर भरोसा कैसे करेंगे?

एफआईआर में आरोपी का नाम क्यों नहीं

बेंच ने पूछा कि आप आरोपी को मौके पर ही पकड़ लेते हैं लेकिन एफआईआर में उसका नाम नहीं लिखना चाहते। शायद, अगर बात बन जाए, तो आप नाम बदल सकते हैं, आपने अलग अलग एफआईआर में आरोपियों की लिस्ट रखी होगी, और जिस पर कम एफआईआर दर्ज हों, उसका नाम शामिल कर सकते हैं। क्या ऐसा ही होता है? कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यूपी पुलिस का हलफनामा बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं है।

रिटायर्ड आईएसएस की गला रेतकर हत्या

भोपाल (स्वतंत्र मत)। भोपाल में रिटायर्ड आईएसएस अफसर राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या कर दी गई। दो दिन पहले ही उन्होंने एक केयरटेकर को नौकरी पर रखा था, जो घटना के बाद से लापता है। घर में आग लगाने की भी कोशिश की गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। केयरटेकर की तलाश की जा रही है। पुलिस हत्या और आग लगाने की कोशिश से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पटाखों पर पूरी तरह बैन मुमकिन नहीं: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पूरे देश में पटाखों पर बैन लगाना मुमकिन नहीं है। पूरी पाबंदी से लोगों की भावनाएं अहत होंगी। लेकिन, 24 घंटे आतिशबाजी की इजाजत भी नहीं दी जा सकती। पटाखे चलाने के लिए समय तय करना होगा। जस्टिस एमएस सुंदरेश और पीबी वराले की बेंच ने कहा कि धार्मिक भावनाओं, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। बेंच ने केंद्र सरकार और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पटाखों के बेरिगम की जांच, डेंसिबल लेवल तय करने और फायर टेस्ट के लिए समय भी दिया। इस मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी।

3000 करोड़ की ड्रम के साथ 5 पाकिस्तानी गिरफ्तार

मुंबई। इरानी नाव में 3,000 करोड़ रुपए की ड्रम के साथ 5 पाकिस्तानी नागरिकों को कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किया है। पाँचों आरोपी 526 किलो मेथामफेटामाइन और हेरोइन को समुद्री रास्ते से मुंबई ले जा रहे थे। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी गुजरात तट के पास एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने करीब 311 किलो मेथामफेटामाइन जवाब की थी, जिसकी कीमत 1,800 करोड़ रुपए बताई गई।

सीबीआई ने हाईकोर्ट में दी जानकारी पूर्व जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज एक्ट की धारा हटी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मॉडल व बहू त्विषा शर्मा की मौत के मामले में जेल में निरुद्ध भोपाल की पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने जमानत के लिए हाईकोर्ट की शरण ली थी। जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान सीबीआई की तरफ से एकलपीठ को बताया गया कि साक्ष्य नहीं मिलने के कारण प्रकरण में दहेज एक्ट की धारा विलोपित कर दी गई है। गौरतलब है कि भोपाल की पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की बहू व मॉडल त्विषा शर्मा ने 12 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने गिरिबाला तथा उसके बेटे समर्थ के खिलाफ दहेज हत्या व दहेज एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। पूर्व न्यायाधीश को प्रकरण में भोपाल जिला व सत्र न्यायालय से 15 मई को अग्रिम जमानत का लाभ मिल गया था। त्विषा का दोबारा पोस्टमार्टम कराने जाने की मांग तथा अग्रिम जमानत मिलने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाई कोर्ट ने दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की टीम से दोबारा पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिए थे। हाईकोर्ट ने 27 मई को पूर्व



न्यायाधीश को मिली अग्रिम जमानत को निरस्त कर दिया था। सरकार द्वारा प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। जिला न्यायालय द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली थी। याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान सीबीआई की तरफ से लिखित आपर्ति पेश करते हुए एकलपीठ को बताया गया कि दहेज की मांग किए जाने के संबंध में साक्ष्य नहीं मिलने के कारण प्रकरण में दहेज एक्ट की धाराओं को विलोपित कर दिया गया है। एकलपीठ ने जमानत याचिका में संशोधन करने के निर्देश जारी करते हुए अगली सुनवाई 8 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

‘इंडिया तैयार...घिरेगी सरकार’

चुनाव आयोग तक मार्च और 5 बड़ी रैलियां करेगा विपक्षी गठबंधन

नई दिल्ली



दौरान पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए, जिसमें निर्वाचन क्षेत्र और बृथ के हिसाब से नाम जोड़ने, हटाने और सुधारने की जानकारी शामिल हो। इसके बाद खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग कठपुतली की तरह काम कर रहा है। इसके खिलाफ 20 विपक्षी दल मिलकर 6 अक्टूबर से हर जिले में 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' करेंगे। खड़गे ने कहा, हमने साढ़े तीन घंटे तक चर्चा की। राहुल, ममता और कई अन्य लोगों की ओर से कई सुझाव आए। सीईसी के खिलाफ माहौल है। पीएम मोदी और अमित शाह ईसीआई के साथ 'गुडिया के खेल' जैसा बर्ताव कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष आगे बोले, हमने युवाओं, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों, एनजीओ और सिविल सोसाइटी के सदस्यों

को 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर के बीच 'लोकतंत्र बचाओ' कार्यक्रम आयोजित करने का काम सौंपा है। इंडिया ब्लॉक की प्रेस कॉन्फ्रेंस में

ममता बनर्जी ने कहा कि हम सब एकजुट हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और खड़गे ने ममता के भाषण की तारीफ में मेज थपथपाई।

उद्धव ने जताई आपत्ति

उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस की 'एकला चलो नीति' पर आपत्ति जताई। जूम कॉल से जुड़े उद्धव इंडिया गठबंधन की बैठक में 10 मिनट करीब तक बोले। उद्धव ने कहा की इंडिया गठबंधन को एक बड़ा आंदोलन करना चाहिए। गठबंधन के बैनर के तले सबको एक जुट जमीन पर उतरना होगा। लेकिन यह ठीक नहीं है कि पार्टी अलग-अलग अपना कार्यक्रम करें। महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी अकेले धरना प्रदर्शन कर रही है ये ठीक नहीं हैं। चार तारीख को शिवसेना की महाराष्ट्र में चुनाव आयोग के खिलाफ बड़ा आंदोलन है। आगे इंडिया गठबंधन एकजुट होकर चुनाव आयोग और मोदी सरकार को घेरने के लिए आंदोलन करे तभी ये प्रभावी होगा।

इंडिया ब्लॉक का कार्यक्रम

- 2 से 8 अक्टूबर तक जिला स्तर पर 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' और डीएम ऑफिस के बाहर प्रदर्शन।
- 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। इसे आज ही करना चाहते थे, लेकिन सभी को 6 तारीख को बुलाने का फैसला किया।
- अक्टूबर के दूसरे हफ्ते विपक्षी नेता भारत के राष्ट्रपति से मुलाकात का समय (अपॉइंटमेंट) लेंगे।
- विपक्ष की पांच बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी।

“बीजेपी, पीएम मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया है। हम इसे चुपचाप बदलित नहीं करेंगे। हम यह पक्का करेंगे कि लोकतंत्र को बर्बाद करने वालों को सजा मिले। भारतीय लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति से बड़ा है। हम देश में बड़े बदलाव लाएंगे।”
- राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा

इस मामले को नजर लग गई है

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद की सुनवाई टलने पर सुप्रीम कोर्ट की तलख टिप्पणी

नई दिल्ली। कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद से जुड़ा मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में टल गया है। शीर्ष अदालत में इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षों के बीच आपसी सहमति न बन पाने का मुद्दा सामने आया। दरअसल अलग-अलग हिंदू याचिकाकर्ताओं और धड़ों के बीच इस बात पर कोई समझौता नहीं हो सका कि आखिर 'श्री कृष्ण विराजमान' का प्रतिनिधित्व अदालत में कौन



करेगा। इस र्थितो को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 नवंबर की तारीख तय

कर दी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तलख टिप्पणी करते हुए कहा, 'ऐसा लगता है कि इस मामले को किसी की नजर लग गई है, तारीख पर तारीख मिल रही है।' अदालत ने सुनवाई की शुरुआत में कहा कि हमें ये बताया गया था कि सभी सह-वादी आपस में बैठकर किसी एक समझौते पर पहुंचेंगे, लेकिन ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला और कोई सहमति नहीं बन पाई।

1999 के बाद हैजा से सबसे ज्यादा मौतें

नई दिल्ली

कॉलरा (हैजा रोग) वैश्विक स्तर पर 5 साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का बड़ा कारण रहा है। हैजा का नाम सुनने पर शायद आपको लगे जैसे ये कोई पुरानी बीमारी है, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में यह आज भी जानलेवा साबित हो रहा है। साल 2025 में कॉलरा के रिपोर्ट किए गए मामले 2024 से थले ही कम है, फिर भी बीमारी से मरने वालों की संख्या अधिक देखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) के अनुसार बताते हैं कि एक साल में इस बीमारी से 7,870 लोगों की मौत हुई और यह आंकड़ा 1999 के बाद सबसे ज्यादा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कॉलरा ऐसी सामने आई हैं। डब्ल्यूएओ की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में दुनियाभर में कॉलरा से होने वाली

डब्ल्यूएचओ: जानलेवा साबित हो रही है बीमारी



बाढ़, आपदा या बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापन की स्थिति में इसका खतरा काफी बढ़ जाता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक साल 2025 में दुनियाभर में रिपोर्ट किए गए 90 प्रतिशत कॉलरा के मामले और मौतें अकेले सात देशों से सामने आई हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में दुनियाभर में कॉलरा से होने वाली

दूषित पानी से संक्रमण का खतरा

गौरतलब है कि कॉलरा तेजी से फैलने वाला गंभीर आंतों का संक्रमण है। यह विब्रियो कॉलेरी नाम के बैक्टीरिया से होता है। आमतौर बैक्टीरिया से दूषित पानी या खाना खाने से संक्रमण का खतरा होता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2025 में रिपोर्ट हुई कॉलरा की मौतों में हर पांच में से एक मौत स्वास्थ्य केंद्र के बाहर हुई। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य आपात कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक चिक्वे इहेक्रेजू कहते हैं, कॉलरा से किसी की मौत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इसे रोकने और इलाज करने के हमारे पास साधन मौजूद हैं। जिन देशों में मामले और मौतें ज्यादा देखी गई हैं, वहां सुरक्षित पानी, स्वच्छता और साफ-सफाई की कमी बहुत ज्यादा है, इसमें सुधार की जरूरत है।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, सूडान और यमन से ही दुनिया के करीब 90 प्रतिशत रिपोर्ट किए गए। इन देशों में साफ पानी और स्वच्छता की कमी कॉलरा फैलने की बड़ी वजह है। इसके अलावा इन सभी देशों में 2025 के दौरान

संघर्ष या प्राकृतिक आपदा के कारण बड़ी संख्या में लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरी जगह जाना पड़ा। ऐसे हालात में लोगों को साफ पानी, शौचालय और स्वास्थ्य सेवाएं मिलना मुश्किल हो जाता है, जिससे बीमारी तेजी से फैल सकती है।

धातु-अधातु: अंतर जानें, अभिक्रियाएं समझें और परीक्षा में अंक बढ़ाएं

हमारे आसपास की अधिकांश वस्तुएं किसी न किसी तत्व से बनी हैं। इनमें धातु और अधातु का महत्वपूर्ण स्थान है। लोहा, तांबा, एल्युमिनियम और सोना धातुओं के उदाहरण हैं, जबकि ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, सल्फर और कार्बन प्रमुख अधातु हैं।

धातुओं के प्रमुख गुण

धातुएं सामान्यतः चमकीली, कठोर, तन्य और आघातवर्धनीय होती हैं। इन्हें पीटकर पतली चादर और खींचकर तार बनाया जा सकता है। धातुएं ऊष्मा और विद्युत की अच्छी चालक होती हैं। अधिकांश धातुएं कमरे के तापमान पर ठोस होती हैं। पारा एक अपवाद है, जो कमरे के तापमान पर द्रव अवस्था में पाया जाता है।

अधातुओं के प्रमुख गुण

अधातुओं में सामान्यतः धातुओं के विपरीत गुण पाए जाते हैं। ये प्रायः चमकहीन, भंगुर और ऊष्मा तथा विद्युत की खराब चालक होती हैं। ग्रेफाइट, जो कार्बन का एक रूप है, विद्युत का सुचालक होने के कारण महत्वपूर्ण अपवाद है। अधातु ठोस, द्रव या गैस तीनों अवस्थाओं में पाए जा सकते हैं।

धातु और ऑक्सीजन की अभिक्रिया

धातुएं ऑक्सीजन के साथ अभिक्रिया करके सामान्यतः धातु ऑक्साइड बनाती हैं। जैसे मैग्नीशियम ऑक्सीजन से अभिक्रिया करके मैग्नीशियम ऑक्साइड बनाता है। अधिकांश धातु ऑक्साइड क्षारीय प्रकृति के होते हैं।

धातु और जल की अभिक्रिया

कुछ धातुएं जल के साथ अभिक्रिया करती हैं। जैसे सोडियम जल के साथ तेजी से अभिक्रिया करता है। इस अभिक्रिया में सोडियम हाइड्रॉक्साइड और हाइड्रोजन गैस बनती है।

धातु और अम्ल की अभिक्रिया

कई धातुएं तनु अम्लों के साथ अभिक्रिया करके लवण और हाइड्रोजन गैस बनाती हैं। जिंक और हाइड्रोक्लोरिक अम्ल की अभिक्रिया इसका प्रमुख उदाहरण है।

विस्थापन अभिक्रिया

अधिक क्रियाशील धातु कम क्रियाशील धातु को उसके यौगिक से विस्थापित कर सकती है। जैसे लोहा, तांबे को उसके यौगिक से विस्थापित कर देता है।

परीक्षा में राट रटें

- धातु – सामान्यतः चमकीली, तन्य और विद्युत की सुचालक।
- अधातु – सामान्यतः भंगुर और विद्युत की कुचालक।
- पारा – कमरे के तापमान पर द्रव धातु।
- ग्रेफाइट – विद्युत का सुचालक अधातु।
- धातु और ऑक्सीजन – धातु ऑक्साइड।
- धातु और अम्ल – लवण और हाइड्रोजन।
- अधिक क्रियाशील धातु – कम क्रियाशील धातु को विस्थापित करती है।

प्रयोगशाला: जहां किताबों का ज्ञान बनता है अनुभव

विज्ञान हमारे जीवन के हर पहलू से जुड़ा है। मौसम को समझने से लेकर रोजमर्रा की तकनीक के उपयोग तक, विज्ञान की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों के लिए विज्ञान सीखना केवल किताब पढ़ना नहीं, बल्कि प्रयोग करके चीजों को समझना और उनके पीछे के कारणों को जानना भी है। यही कारण है कि विद्यालयों में अच्छी विज्ञान और रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं का होना जरूरी है।

प्रयोगशाला क्यों जरूरी?

प्रयोगशाला ऐसा स्थान है, जहां विद्यार्थी सुरक्षित वातावरण में वैज्ञानिक प्रयोग करते हैं, सवाल पूछते हैं और परिणामों का निरीक्षण करते हैं। कक्षा में पढ़े गए सिद्धांत जब प्रयोग के माध्यम से सामने आते हैं, तो विषय को समझना आसान हो जाता है। इससे विद्यार्थियों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास और वैज्ञानिक सोच विकसित होती है।

प्रयोगशाला केवल उपकरणों से भरा कमरा नहीं है। यह वह जगह है जहां विद्यार्थी देखकर, करके और अनुभव से

जिज्ञासा और आधुनिक जीवन में इसका महत्त्व

विज्ञान आज हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हम किसी न किसी रूप में विज्ञान का उपयोग करते हैं। बिजली, मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट, वाहन, चिकित्सा उपकरण और उपग्रह विज्ञान की देन हैं। विज्ञान ने जीवन को आसान और सुविधाजनक बनाने के साथ प्रकृति को समझने और समस्याओं का समाधान खोजने में भी मदद की है।

चिकित्सा में विज्ञान की भूमिका- विज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान चिकित्सा क्षेत्र में दिखाई देता है। पहले कई बीमारियों का इलाज संभव नहीं था, लेकिन वैज्ञानिक अनुसंधान से आज अनेक रोगों की पहचान और उपचार किया जा सकता है। टीके, आधुनिक दवाएं, रक्त जांच, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है।

संचार हुआ आसान- मोबाइल फोन और इंटरनेट ने दुनिया को करीब ला दिया है। आज कुछ ही सेकंड में दुनिया के किसी भी हिस्से में बैठे व्यक्ति से संपर्क किया जा सकता है। वीडियो कॉल, ई-मेल और ऑनलाइन माध्यमों

ने शिक्षा, व्यापार और संचार को आसान बनाया है। विद्यार्थी घर बैठे अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

अंतरिक्ष और कृषि में योगदान- उपग्रहों और अंतरिक्ष यानों की मदद से अंतरिक्ष के बारे में महत्वपूर्ण जानकारीयां मिली हैं। उपग्रह मौसम की जानकारी, संचार, नेविगेशन और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में उपयोगी हैं। कृषि में आधुनिक उपकरण, बेहतर बीज, नई सिंचाई तकनीक और मिट्टी की जांच से उत्पादन बढ़ने में सहायता मिलती है।

पर्यावरण संरक्षण में उपयोगी- प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने में विज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोत प्रदूषण कम करने में सहायक हैं। जल शुद्धीकरण, कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण को तकनीकें भी पर्यावरण संरक्षण में उपयोगी हैं।

वैज्ञानिक सोच का विकास- विज्ञान हमें तर्क और प्रमाण के आधार पर सोचने की सीख देता है। यह बिना प्रमाण किसी बात को स्वीकार करने के बजाय प्रश्न पूछने, निरीक्षण

करने और तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करता है। हालांकि विज्ञान का गलत उपयोग नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए इसका इस्तेमाल मानव कल्याण और प्रकृति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए।

भविष्य में बढ़ेगा महत्व- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, जैव-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भविष्य में और विकास की संभावना है। विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि विकसित करना जरूरी है, क्योंकि यही विद्यार्थी आगे चलकर वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर और शोधकर्ता बनेंगे।

जीव विज्ञान प्रयोगशाला – सूक्ष्मदर्शी, स्लाइड और नमूनों की मदद से विद्यार्थी पौधों, जीव-जंतुओं और मानव शरीर से जुड़ी संरचनाओं का अध्ययन करते हैं।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला – विद्यार्थी कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग और डिजिटल तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।

प्रयोगशाला से मिलते हैं ये लाभ

- टीमवर्क की भावना मजबूत होती है। समूह में प्रयोग करने से विद्यार्थी एक-दूसरे के साथ विचार साझा करना और मिलकर काम करना सीखते हैं।
- प्रयोग के परिणामों का विश्लेषण करने से तर्क और समस्या-समाधान की क्षमता सहित आलोचनात्मक सोच विकसित होती है।
- विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े क्षेत्रों में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को शुरुआती व्यावहारिक अनुभव मिलता है।
- कक्षा में पढ़े गए सिद्धांतों को प्रयोग में देखकर विषय अधिक स्पष्ट हो जाता है।

सिखते हैं। शिक्षक के मार्गदर्शन में वे समस्याओं का समाधान करना और वैज्ञानिक तथ्यों को वास्तविक जीवन से जोड़ना सीखते हैं।

स्कूलों में अलग-अलग प्रयोगशालाएं

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला- यहां विद्यार्थी रासायनिक अभिक्रियाओं और

विज्ञान के प्रयोग

आलू में स्टार्च की पहचान का आसान प्रयोग-

हमारे भोजन में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन और खनिज जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें स्टार्च एक प्रमुख कार्बोहाइड्रेट है। आलू में स्टार्च की मात्रा अधिक होती है। इसे घर या स्कूल की प्रयोगशाला में एक आसान प्रयोग के माध्यम से पहचाना जा सकता है।

आवश्यक सामग्री- एक कच्चा आलू, आयोडीन विलयन, एक चाकू, ड्रॉपर और एक साफ प्लेट।

प्रयोग की विधि- सबसे पहले आलू को अच्छी तरह धोकर साफ करें और उसे बीच से काटकर दो भाग कर लें। कटे हुए हिस्से को ऊपर की ओर रखें। अब ड्रॉपर की सहायता से आलू के कटे हुए भाग पर आयोडीन विलयन की कुछ बूंदें डालें। कुछ क्षण प्रतीक्षा करें और रंग में होने वाले परिवर्तन को ध्यान से देखें।

क्या दिखाई देगा? आयोडीन की बूंदें पड़ने के बाद आलू का संबंधित भाग नीला-काला दिखाई देने लगेगा। यह रंग परिवर्तन इस बात का संकेत है कि आलू में स्टार्च मौजूद है।

ऐसा क्यों होता है?- आयोडीन स्टार्च के साथ अभिक्रिया करके एक विशेष नीला-काला रंग उत्पन्न करता है। इसलिए खाद्य पदार्थ में स्टार्च की उपस्थिति की पहचान के लिए आयोडीन परीक्षण किया जाता है।

अन्य खाद्य पदार्थों पर भी कर सकते हैं परीक्षण- इसी प्रयोग को चावल, ब्रेड, आटा या उबले हुए चावल जैसे खाद्य पदार्थों पर भी किया जा सकता है। जिस पदार्थ में स्टार्च होगा, उसमें आयोडीन डालने पर नीला-काला रंग दिखाई देगा।

प्रयोग में सावधानी- आयोडीन विलयन का उपयोग सावधानी से करना चाहिए और इसे आंखों या मुंह के संपर्क में नहीं आने देना चाहिए। आयोडीन विलयन को बिना शिक्षक या बड़े व्यक्ति की निगरानी में न छुएं और प्रयोग के बाद हाथ अच्छी तरह धो लें।

मानव शरीर के रोचक तथ्य

मानव शरीर में 206 हड्डियां होती हैं।

शरीर की सबसे बड़ी हड्डी फीमर (जांघ की हड्डी) है। जबकि सबसे छोटी हड्डी स्टेपीज कान में होती है।

वयस्क मानव शरीर में सामान्यतः 32 दांत होते हैं।

हृदय एक मिनट में सामान्यतः लगभग 60 से 100 बार धड़क सकता है।

रक्त का लाल रंग हीमोग्लोबिन के कारण होता है।

लाल रक्त कोशिकाएं शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाती हैं।

श्वेत रक्त कोशिकाएं शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करती हैं।

प्लेटलेट्स रक्त का थक्का बनाने में मदद करते हैं।

मानव शरीर में लगभग 5 लीटर रक्त होता है, हालांकि मात्रा व्यक्ति के आकार पर निर्भर करती है।

त्वचा शरीर का सबसे बड़ा अंग है। यह शरीर को बाहरी वातावरण से सुरक्षा देती है।

मस्तिष्क शरीर की गतिविधियों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मस्तिष्क का बड़ा भाग सेरिब्रम कहलाता है। मेरुरज्जु मस्तिष्क और शरीर के बीच संदेश पहुंचाती है।

मांसपेशियां शरीर को गति देने में मदद करती हैं। मानव शरीर में 600 से अधिक मांसपेशियां होती हैं।

कान सुनने के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

आंखों की पुतली आंख में प्रवेश करने वाले प्रकाश की मात्रा नियंत्रित करती है।

आइरिस आंख की पुतली के आकार को नियंत्रित करता है।

यकृत (लिवर) शरीर का सबसे बड़ा आंतरिक अंग है।

यकृत पित्त का निर्माण करता है, जो वसा के पाचन में मदद करता है।

किडनी रक्त को छानकर अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। सामान्यतः मनुष्य के शरीर में दो किडनी होते हैं।

मूत्राशय मूत्र को कुछ समय के लिए संग्रहित करता है।

शरीर का तापमान नियंत्रित करने में हाइपोथैलेमस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पसीना शरीर को ठंडा करने में मदद करता है।

डीएनए में आनुवंशिक जानकारी संग्रहीत रहती है।

मानव शरीर की अधिकांश कोशिकाओं में सामान्यतः 46 गुणसूत्र होते हैं।

कोशिका को शरीर की मूल संरचनात्मक और क्रियात्मक इकाई माना जाता है।

माइटोकॉन्ड्रिया कोशिका में ऊर्जा उत्पादन से जुड़े प्रमुख अंगक हैं।

नींद शरीर और मस्तिष्क के आराम और पुनर्स्थापन के लिए जरूरी है।

छींक शरीर से धूल और अन्य कणों को बाहर निकालने की रक्षात्मक क्रिया है।

पलकें आंखों को धूल और अन्य बाहरी कणों से बचाने में मदद करती हैं।

बाल और नाखून मुख्य रूप से केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते हैं।

हितकारिणी महोत्सव

2026-27

अंतर हितकारिणी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएँ

हितकारिणी परिवार के विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं विचारों को प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर

निबंध प्रतियोगिता, स्वरचित काव्य पाठ बुक टॉक, टॉक शो प्रतियोगिता

गुरुवार, 1 सितम्बर 2026

प्रातः 10 बजे

शब्दों को दें अभिव्यक्ति, विचारों को दें नई उड़ान और अपनी प्रतिभा से बनाएं इस महोत्सव को यादगार।

आइए, उत्साह और उमंग के साथ हितकारिणी महोत्सव का हिस्सा बनें

एक परिवार, अनेक प्रतिभाएँ, एक गौरव – हितकारिणी

शब्द पहेली - 8991

बाएँ से दाएँ

ऊपर से नीचे

1			2	3		4	5
			6			7	
		8				9	
10				11			12
13				14			15
			16				17
		18				19	
20				21			22
23			24				25

1. ब्राह्मेय-2	19. प्रथम-3
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3	20. दंड, शिक्षा-2
4. आफत, मुसीबत-2	21. आंशिक भीमा हुआ-2
6. लाचार-3	22. प्राण, जीवन तत्व-2
7. आसरा, मदद-3	
8. आश्रय, शरण-3	
9. राज कपूर की पोती-3	
10. कर्म, भाग्य-3	
11. दासत्व, गुलामी-3	
13. आर्टिक्ल-2	
14. इच्छा, लालसा-3	
15. दुगुना, दोगुना-2	
16. भार-3	
17. टेसू के फूल-3	
18. राजा का भवन-3	
19. चौकसी-2	
20. प्रेमी, साजन-3	
21. कैनाल, उपनदी-3	
23. जीवन सत्व, प्राण-2	
24. प्रहार, आक्रमण-3	
25. ठाठ-बाट-2	

1. अभिमान-2	11. आंचल-3
2. मारना, बघ करना-2	12. नाश, विध्वंस-3
3. नृत्य, कृष्णलीला-2	14. अंजन, नेत्रांजन-3
4. अपव्यय करना-3	15. लाडला-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2	16. शक, संदेह-3
6. अज्ञात, अनाम-3	17. तीन घंटे का समय-3
7. नदी, दरिया-3	18. चिंतन-3
8. जांच, परीक्षण-3	
9. परीक्षा करना-3	
10. जिगर-3	
11. आंचल-3	
12. नाश, विध्वंस-3	
14. अंजन, नेत्रांजन-3	
15. लाडला-3	
16. शक, संदेह-3	
17. तीन घंटे का समय-3	
18. चिंतन-3	

शब्द पहेली - 8990 का हल
ह क स ग र म ज
द म न म वा ली म
र म ल न प न
स क ह र न का म
लो न ज त क रा ज
का र क न ह र क
म म त वा च न
न ल क वा न य क
य र त र क न म

Jagrutidaur.com, Bangalore

वार्ड 29 में गरीबों की चीख-पुकार सुनने वाला कोई नहीं

5 साल से नगर निगम के चक्कर काट रहे बेघर लोग



सतना (स्वतंत्र मत) ।

एक तरफ शासन-प्रशासन सतना को स्मार्ट सिटी बनाने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ शहर के वार्ड 29 कोलन बस्ती की हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। यहां की गरीब आदिवासी और मजदूर जनता पिछले 5 सालों से नगर निगम और पार्षद के चक्कर काट रही है लेकिन उनकी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है। लोगों का कहना है कि हम गरीब हैं कच्चे मकानों में रहते हैं, इसलिए हमारी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। बारिश के मौसम ने इस बस्ती के लोगों की मुसीबत और बढ़ा दी है। कई गरीबों के कच्चे मकान भरभराकर गिर गए हैं। लोग टीन-टप्पर और पन्नी लगाकर खुले आसमान के नीचे जीवन गुजारने को मजबूर हैं।

पीएम आवास योजना का लाभ उन्हें आज तक नहीं मिला है। वार्ड में न तो ढंग की सड़क है, न नाली। गंदगी का ऐसा आलम है कि बदबू से सांस लेना मुश्किल हो गया है। गंदा पानी लोगों के घरों में घुस रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी



बच्चन सिंह-इसी वार्ड में पावर हाउस के पास रहने वाले वरिष्ठ समाजसेवी एवं आटा चक्की संचालक बच्चन सिंह ने कहा कि वार्ड 29 में भारी पैमाने पर गंदगी फैली हुई है। इस गंदगी और बदबू से वार्डवासी बुरी तरह परेशान हैं। हमारा सतना स्मार्ट सिटी कहलाता है लेकिन आप खुद आकर देख सकते हैं कि यहां नाली तक नहीं है। गंदा पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। श्री सिंह ने आगे कहा कि विकास के नाम से आने वाली राशि का नेता बंदरबांट कर रहे हैं। पूरे सतना की सड़कें गड़बों में तब्दील हो गई हैं लोगों को चलने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने एक साल पहले लगाते हुए कहा कि वार्ड 29 में सुमित बाजार के सामने चर्च के पीछे रहने वाले एक मुस्लिम किसान की जमीन पर जबन गुंडों के बल पर नगर निगम के इंजीनियर एवं महापौर की मिलीभगत से सड़क का निर्माण करा दिया गया है जबकि इस जमीन का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है और हाईकोर्ट ने इस जमीन पर स्टे दे रखा है। इस सरकार में कानून नाम की कोई चीज नहीं बची है और कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही



हैं। उन्होंने कहा कि इसी जमीन से लगी सरकारी सड़क है जहां सड़क बनना जरूरी था लेकिन वहां आज तक सड़क का निर्माण नहीं किया गया।

पैसा नहीं है तो पीएम आवास नहीं मिलेगा - भूरी कोल-इसी वार्ड में रहने वाली 65 वर्षीय वृद्ध भूरी कोल ने रोते हुए बताया कि उनका कच्चा मकान पूरी तरह टूट गया है और बारिश में उसकी दीवार भी गिर गई है। वह अब खुले आसमान में रहने के लिए मजबूर हो गई हैं।

उन्होंने एक साल पहले प्रधानमंत्री आवास के लिए फॉर्म भरा था, लेकिन एक साल गुजर जाने के बाद भी आज तक कोई अधिकारी देखने नहीं आया और न ही आवास की राशि आई। भूरी कोल ने आरोप लगाया कि उनके ही पड़ोस के कई लोगों ने 20-20 हजार रुपये नगर निगम में देकर पीएम आवास बनवा लिया है, लेकिन उनके पास पैसा न होने से वह आवास नहीं बनवा पा रही हैं। उन्होंने नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों से गुहार लगाई है कि ऐसे रिश्तखोर कर्मचारियों को हटया जाए और

गरीबों की सुनी जाए।

पार्षद नहीं कर रहा कोई काम - छेददी कोल-इसी वार्ड के निवासी छेददी कोल ने कहा कि वार्ड में कोई विकास नहीं हुआ है। अगर अपनी बात लेकर पार्षद पति बालकृष्ण शुक्ला के पास जाते हैं तो हमें यह कहकर वापस कर दिया जाता है कि अभी मैं जरूरी काम में व्यस्त हूं बाद में आना। जब वोट लेना होता है तो नेता बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, फिर जीतने के बाद जनता को भूल जाते हैं। बारिश में उनका भी कच्चा घर गिर गया है, जिसकी रिपोर्ट पार्षद को दी थी लेकिन आज तक पार्षद ने मुड़कर नहीं देखा। दो साल पहले पीएम आवास के लिए फॉर्म भरा था लेकिन आज तक नहीं मिला।

इसी तरह काबल कोल ने भी कहा कि हम गरीब और पिछड़ी जाति के हैं इसलिए हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जहां तीन-तीन मंजिला बिल्डिंगें बनी हुई हैं, वहां पक्की सड़कें बना दी गई हैं लेकिन हमारी बस्ती के अंदर एक भी सड़क नहीं बनी है जिससे गंदा पानी घरों में घुस रहा है और भारी गंदगी फैली हुई है।

पन्ना नाका पेट्रोल पंप के शौचालय पर लटका ताला

चालकों को हो रही भारी परेशानी

सतना (स्वतंत्र मत) ।

शहर के व्यस्ततम मार्ग पन्ना नाका स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप में बने शौचालय पर ताला लगा दिए जाने से वाहन चालकों और कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोल पंप पर आने वाले लोगों को शौचालय बंद मिलने पर काफी दिक्कत हो रही हैं और उन्हें खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ रहा है कानूनी नियम के अनुसार किसी भी संस्था में शौचालय में ताला नहीं लगा सकते हैं चाहे वह कोई भी हो जैसे हॉस्पिटल पेट्रोल पंप या फिर गाड़ी बेचने वाले एजेंसी क्योंकि यह नियम विरुद्ध अगर ऐसा करते हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही भी हो सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पेट्रोल पंप शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों

छोटे-बड़े वाहन पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए आते हैं। लंबी दूरी से आने वाले ट्रक चालक, बस चालक और आम वाहन चालक यहां रुकते हैं, लेकिन शौचालय में ताला लगे होने से उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है। विशेषकर महिला यात्रियों को इस कारण सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है।

पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कर्मचारियों ने नाम ना बताने की शर्त में बताया कि शौचालय बंद होने से उन्हें भी दिक्कत होती है। ड्यूटी के दौरान उन्हें शौचालय के लिए काफी दूर जाना पड़ता है। कई बार ग्राहकों द्वारा इस बारे में पूछे जाने पर उन्हें शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि पेट्रोलियम कंपनी के नियमों और सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों की सुविधा के लिए शौचालय पेयजल हवा भरने की मशीन और प्रार्थमिक उपचार जैसी सुविधाएं अनिवार्य की गई हैं। पेट्रोल पंप लाइसेंस की शर्तों में भी इसका

स्पष्ट उल्लेख है कि शौचालय को हर समय साफ-सुथरा और आमजन के लिए खुला रखना होगा। बावजूद इसके पन्ना नाका स्थित पंप प्रबंधन द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद पंप संचालक द्वारा शौचालय का ताला नहीं खोला जा रहा है।

कुछ लोगों का आरोप है कि शौचालय को केवल दिखावे के लिए बनाया गया है और उसे नियमित रूप से बंद रखा जाता है ताकि साफ-सफाई न करनी पड़े। इस संबंध में वाहन चालकों ने जिला प्रशासन नगर निगम और खाद्य विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि पन्ना नाका पेट्रोल पंप का निरीक्षण कर शौचालय को आम जनता के लिए तत्काल खुलवाया जाए। साथ ही ऐसे पेट्रोल पंपों पर कार्रवाई की जाए जो ग्राहकों की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी कर रहे हैं।

शराब के नशे में बोलेरो चलाना पड़ा भारी

वाहन चेकिंग के दौरान चालक पर धारा 185 एम.व्ही. एक्ट के तहत कार्रवाई, बोलेरो जप्त

सिंगरौली (स्वतंत्र मत) । पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक हेमन्त कुमार* के पर्यवेक्षण में, थाना प्रभारी विन्ध्यनगर अर्चना द्विवेदी* की सतत निगरानी तथा चौकी प्रभारी जयंत निरीक्षक पवन कुमार सिंह* के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे वाहन चेकिंग अभियान के दौरान प्रभावी कार्रवाई की गई। चौकी जयंत पुलिस द्वारा दुर्द्विबुआ बॉर्डर बैरियर के पास जयंतङ्गशक्तिनगर मुख्य मार्ग पर वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान महिन्द्रा बोलेरो वाहन क्रमांक स्कू 66 ज़ 3102 को रोककर चालक की जांच की गई। चालक के शराब



के नशे में होने का संदेह होने पर नियमानुसार उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। जिला चिकित्सालय बैद्वन में कराए गए चिकित्सकीय परीक्षण के उपरांत चिकित्सक द्वारा चालक के शराब के प्रभाव में होने संबंधी अभिमत प्रदान किया गया। पुलिस द्वारा बोलेरो वाहन को जप्त कर चौकी जयंत परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया तथा चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई कर प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया धरना-प्रदर्शन

जिलेभर से उमड़ा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जनसैलाब, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की उठी आवाज

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत) । नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी जी के आह्वान पर प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेट्री नरसिंहपुर द्वारा जिला मुख्यालय में वृहद धरना, प्रदर्शन एवं धैर्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता आशीष गुप्ता एवं अजय दुबे ने बताया कार्यक्रम में जिलेभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों, जिला कांग्रेस कमेट्री के पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चा एवं संगठनों के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। लंबे

समय बाद जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में कांग्रेस का इतना व्यापक एवं संगठित कार्यक्रम देखने को मिला, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकजुट होकर पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता के मताधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसके विश्वास का आधार है। इसलिए निर्वाचन प्रक्रिया तथा निर्वाचन संस्थाओं को निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता को लेकर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का पारदर्शी तरीके से समाधान होना आवश्यक है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुरीरीक्षण (रूड्रक) सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची में होने वाले किसी भी प्रकार के बदलाव की



प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी होनी चाहिए तथा प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार को रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन किए हैं।

कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का उखवा मुद्दा-धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस प्रभारी श्री आलोक मिश्रा, जिला कांग्रेस कमेट्री अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल, पूर्व

लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक के मत का समान महत्व है और चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शंका उत्पन्न होने पर उसका समाधान तथ्यों एवं पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता को लेकर अपनी आवाज लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे लोकतांत्रिक अधिकारों एवं जनता के मताधिकार से जुड़े मुद्दों को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाएं।

जिलेभर से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता-कार्यक्रम में नरसिंहपुर जिले के विभिन्न ब्लॉकों, मंडलों एवं सेक्टरों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे। जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं संगठनों के पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए अपनी

आवाज बुलंद की तथा निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता के अधिकारों की सुरक्षा की मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी और जागरूकता से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर मतदाता अधिकारों एवं चुनवी पारदर्शिता से जुड़े विषयों पर जागरूकता का अभियान आगे भी जारी रखेंगे।

कार्यक्रम ने दिखाई संगठन की एकजुटता-जिला कांग्रेस कमेट्री नरसिंहपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के सभी क्षेत्रों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बड़ी उपस्थिति ने संगठन की सक्रियता और एकजुटता को प्रदर्शित किया। वरिष्ठ नेताओं से लेकर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं तक सभी ने एक मंच पर उपस्थित होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष रुद्रेश तिवारी द्वारा किया गया।

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच-उपचार हेतु एनसीएल ने एनएससीबीएमसी के साथ किया एमओयू



सिंगरौली-सीधी की महिलाओं को मिलेगा लाभ

सिंगरौली (स्वतंत्र मत) । स्थित कोल इंडिया की अनुष्णगी कंपनी नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने सिंगरौली एवं सीधी जिलों की महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की समय पर जांच, शुरुआती पहचान एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध करने के उद्देश्य से सीएसआर के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज (एनएससीबीएमसी), जबलपुर के साथ एमओयू किया। उक्त एमओयू के

तहत एनसीएल द्वारा एनएससीबीएमसी, जबलपुर को दो वर्ष की अवधि के लिए विशेष ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग एम्बुलेंस के संचालन हेतु लगभग 2.80 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा। यह मोबाइल स्क्रीनिंग बैन सिंगरौली एवं सीधी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती जांच की सुविधा उपलब्ध करेगा। एनसीएल की इस सीएसआर पहल का उद्देश्य महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की समय रहते पहचान कर आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना है। स्क्रीनिंग के दौरान

रोगी महिलाओं को आगे चिकित्सकीय जांच अथवा उपचार हेतु नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर रेफर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एमओयू के अंतर्गत एनएससीबीएमसी, जबलपुर में 'आईसीजी फ्लोरोसेंस गाइडेड प्रिंसिजन सर्जरी' की सुविधा भी स्थापित की जाएगी। इस सुविधा के माध्यम से एनसीएल द्वारा शुरुआती 500 सर्जरी नि:शुल्क कराई जाएगी। इससे जरूरतमंद महिलाओं को आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

एनसीएल की यह पहल सिंगरौली एवं सीधी के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की शीघ्र पहचान और समयबद्ध उपचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के डीन प्रो. डॉ. नवनीत सक्सेना, प्रबंधक (सीएसआर) ।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत साईंनाथ विधा मन्दिर में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता सम्पन्न



गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

प्रदेश सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाये जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' अंतर्गत शनिवार को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 6वीं से 12वीं तक के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनभागीदारी से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मक

प्रतिभा को मंच प्रदान किया गया। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 19 सितंबर को 'मेरे सपनों का भारत-सेवा चित्र' विषय पर क्षेत्रीय शासकीय / अ श ा स क ि य विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में छात्र छात्राओं ने चित्रों और अपने विचारों के माध्यम से भारत के भविष्य, सेवा एवं जनभागीदारी की अपनी कल्पना को व्यक्त किया। इसी क्रम में साईंखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत साईंनाथ विधा मन्दिर में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधानसभा मीडिया प्रभारी सोनू पटेल की उपस्थिति में आयोजन संपन्न हुए। उक्त अवसर पर समस्त विधालय के शिक्षक शिक्षिका एवं छात्रों की उपस्थिति रही कार्यक्रम का संचालन एवं आभार अखिलेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

बीएसएनएल स्थापना दिवस पर कर्मचारी करेंगे विरोध

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

बीएसएनएल स्थापना दिवस के अवसर पर कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। ऑल इंडिया एसोसिएशन बीएसएनएल के बैनर तले सभी यूनियनों ने 1 अक्टूबर को बीएसएनएल स्थापना दिवस के सभी आयोजनों एवं समारोहों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। साथ ही लंच आवर्स में प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया है। यूनियन नेता बी.एस. रघुवंशी, नरेंद्र सिंह कौरव, देवेंद्र कुमार चंदेल एवं मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों एवं अधिकारियों का तीसरा वेतन संशोधन 1 जनवरी 2017 से लंबित है। लंबे समय से वेतन संशोधन नहीं होने के कारण कर्मचारियों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि लंबित वेतन संशोधन सहित कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर 1 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।



**कार्यक्रम अधिकारी
वालेंटियर्स सम्मानित**

मण्डला(स्वतंत्रमपत)। युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित इकाइयों में विश्वविद्यालय महाविद्यालय और विद्यालयों में प्रत्येक वर्ष 24 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इसी तारिखमय र्ण को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के पं कुंज लाल दुवे सभागार कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना 58 वें स्थापना दिवस पर जिले से राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारी अशोक वरकडे पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगारपुर मोहागांव, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुखदेव वरकडे शासकीय स्नातक महाविद्यालय बिछिया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ रंजीत भालेकर शासकीय कला महाविद्यालय बन्ही नंर कॉलेज को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के सभागार में कुलगुरु ने ट्राफी प्रशस्ति एवं मेडल से सम्मानित किया है।

पतंजलि ने किया
माल्यार्पण

मण्डला (स्वतंत्रमत)। भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योगपीठ द्वारा क्रांतिकारी राष्ट्र के गौरव जो अपना पूरा जीवन भारत माता की आजादी में अपनी जान हंसेते-हंसेते देश के लिए शोछावर कर दिए ऐसे अमर शहीद भारत सिंह के जन्म दिवस पर दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धा सुगम और मार्यारुपण किया गया। ऐसे महापुरुषों के विचार हमारे व्यक्तित्व को गढ़ते है समय की रेत पर जब पद चिन्ह मिट जाते हैं तब व्यक्ति का चरित्र ही उसकी अमिट छाप होता है ऐसे व्यक्तित्व के धनी शहीद भगत सिंह को सत सत नमन हैं ।

4 अक्टूबर को
होगा क्रिकेट ट्रायल

मण्डला (स्वतंत्र)मल ।
जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2026-27 के क्रिकेट सत्र के लिए विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों का पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है संभागीय क्रिकेट संघ के निर्देशानुसार आगामी प्रतिযোগिताओं को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों से समय रहते अपना पंजीयन कराने अपील की गई है जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अजय मिश्रा ने बताया कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में संभावित संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के मद्देनजर जिले में अंडर-14 बालक वर्ग के खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है । इसके लिए इच्छुक खिलाड़ियों का पंजीयन मेकल क्रिकेट एकेडमी, स्टेटियम ग्राउंड में किया जा रहा है उन्होंने बताया कि सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6 बजे के बीच कोच बरतन ठाकुर एवं युवराज यादव के पास पहुंचकर अपना पंजीयन करा सकते हैं ।

खाद्य प्रतिष्ठानों में
मिली अनियमितताएं

मण्डला(स्वतंत्रमत्त) । खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत खाद्य वार्धार्थों की गुणवत्ता एवं खाद्य कारोबार के नियमानुसार संचालन को सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायत के निराकरण हेतु बिड़िया तहसील के ग्राम फोंक सिझोरा स्थित सतीश जन्मल एंफेंड कारोबार स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बिना निर्धारित प्रोसीयन के खाद्य कारोबार संचालित करण पाया गया। प्रतिष्ठान में लगभग 400 रुपये मूल्य की अवसान तिथि (एक्सपायरी) वाली खाद्य सामग्री भी मिली जिसे मौके पर नियमानुसार नष्ट कराया गया इसी प्रकार 28 सितंबर को नगर पालिका के संयुक्त के साथ चौपाटी क्षेत्र स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। कमल चाट भंडार एवं श्रीनाथ पाव भोजी केंद्र में खाद्य सुरक्षा संबंधी कमियाँ पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किए गए।

विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने किया त्रिशूल दीक्षा एवं युवा संवाद का आयोजन, निकाली त्रिशूल यात्रा मातृशक्तियों ने की पुष्पवर्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)

संपादकीय

बढ़ते दबाव की जद में भारत

पश्चिम एशिया में पिछले सात महीनों से जारी युद्ध ने अब दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। होर्मुज स्ट्रेट 28 फरवरी से बंद है, जबकि 10 सितंबर को ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोने हमले के बाद सऊदी अरब के कच्चे तेल के निर्यात का पश्चिमी रास्ता भी बंद हो गया है। इन रुकावटों के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़कर 109.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, अभी ये 104.2 डॉलर पर है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ‘लंडसे ओ. ग्राहम सेंकशनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट’ पर हस्ताक्षर करने के बाद सप्लाई में रुकावट और बढ़ सकती है। ट्रंप ने यूएन में कहा कि अमेरिकी कांग्रेस चुनावों के बाद ईरान के पास या तो पूरी तरह खत्म होने या फिर डील करने का विकल्प है। सात दिनों के भीतर ही ईरान ने संकेत दिया कि वह डील करना पसंद करेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से पहले दुनिया की करीब 20 फीसदी तेल आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती थी। इसमें करीब 1.5 करोड़ बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल और 50 लाख बैरल पेट्रोलीयम उत्पाद शामिल थे। होर्मुज के रास्ते को आंशिक रूप से बायपास करने के लिए सऊदी अरब ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए करीब 40 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल निर्यात कर रहा था। वहीं, यूएई हवशान-फुजैराह पाइपलाइन के जरिए करीब 15 लाख बैरल प्रतिदिन तेल बाहर भेज रहा था। दो दिनों देश होर्मुज से बाहर तेल पहुंचाने के लिए शटल सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे, जहां उसे दूसरे जहाजों में ट्रांसफर कर आगे भेजा जा सकता था। ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के बंद होने से कच्चे तेल की सप्लाई में कम से कम 13-14 मिलियन बैरल प्रतिदिन की रुकावट आ सकती है। रूस अभी हर दिन लगभग 3.5 मिलियन बैरल तेल एक्सपोर्ट करता है। अगर ग्राहम एक्ट लागू किया जाता है और जिन देशों को टारगेट किया गया है, वे मान जाते हैं, तो ग्लोबल ऑयल सप्लाई में रुकावट 16-17 मिलियन बैरल प्रति दिन तक बढ़ सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए कोई दूसरा जरिया नहीं है। इस रुकावट का असर सिर्फ कच्चे तेल तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर पेट्रोलीयम प्रोडक्ट्स और एनएनजी पर भी पड़ेगा। एलएनजी को करीब 163 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखा जाता है और समुद्र के बीच इसे आसानी से दूसरे जहाज में ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन उसने यह खरीद तब की थी जब अमेरिका ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था। बाइडेन प्रशासन की प्राइस कैप पॉलिसी के तहत रूसी कच्चा तेल खरीदने की इजाजत थी, लेकिन छूट के साथ। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने भी समय-समय पर रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए लाइसेंस दिए थे। यह कानून भारत को तब निशाना बना रहा है जब उसने अमेरिकी तेल और गैस की खरीद बढ़ा दी है। अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान, भारत ने 8.2 अरब डॉलर का रूसी कच्चा तेल आयात किया। इस साल अगस्त में अमेरिका एलएनजी आयात का सबसे बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। पश्चिम एशिया संकट का असर भारत के लिए सीधे तौर पर भी दिख रहा है। भारत के क्रूड ऑयल बास्केट की कीमत 26 फरवरी को 70.61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 123.67 डॉलर प्रति बैरल बताई जा रही है। इसी अवधि में स्पॉट एलएनजी की कीमतों में करीब 150 फीसदी की वृद्धि हुई है। कतर से लंबे समय तक होने वाली सप्लाई बंद होने के बाद से भारत की खरीद में स्पॉट एलएनजी का हिस्सा बढ़ गया है। ऐसे में लंबे समय तक ऊंची ऊर्जा कीमतें भारत के आयात बिल, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव डाल सकती हैं। जब तक कोई राजनीतिक समाधान नहीं निकलता, तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहेंगी।

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं



नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

स्वाला देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे?

हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को बुरा लिया है और उत्तर भारत में चुनवी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्क को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि हम द्रविड़ हैं



प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक

यूक्रेन, इजराइल-हम्यास, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हूथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके

दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक सशक्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जנהानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से सम्प्रीता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है,

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा।

ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले ‘प्रॉम्प्ट इंजेक्शन’ और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोक़ा, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों,



वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन

करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को ‘एआई बंद करो’ नहीं, बल्कि ‘एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो’ का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उचित निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक नीति चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, निबाश का हथियार नहीं-यही इन तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपर शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

सुप्रीम कोर्ट की चिंताएं: कठघरे में सरकार, कानून व्यवस्था

से लेकर शिक्षा तक एकसाथ पांच से अधिक मामले

शिक्षा से लेकर कानून व्यवस्था तक सुप्रीम कोर्ट को बेहद चिंतनीय परिदृश्य नजर आ रहा है। जहां स्वतः संज्ञान लेकर दिल्ली-एनसीआर में सामने आ रही दुष्कर्म और यौन उपीड़न की घटनाओं पर शीर्ष अदालत ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर सरकार व केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(सीबीएसई) को निर्देश भी दे दिया गया है।

दिल्ली मामले में अदालत ने सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में तंत्र की विफलता पर गहरी चिंता जताने के साथ ही निर्भया मामले का संदर्भ देते हुए पुलिस मशीनरी पर कठोर टिप्पणी की है। जहां संदेश, सर्वोच्च न्यायालय और देश की सर्वोच्च पुलिस-प्रशासनिक व्यवस्था मौजूद है, उस राजधानी में अगर महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करें, तो यह पूरी व्यवस्था की ही नाकामी कही जाएगी। इस क्रम में ट्रैफिक चालान से जुड़ा सुझाव भी दिलचस्प है।

अदालत ने हजारों करोड़ रुपये के लॉबि चालानों की वसूली को बिजली के बिल से जोड़ने का सुझाव दिया है, जिससे बकाया वसूली आसान होने के साथ नागरिकों में भी नियमों के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा होगा। हालांकि, इस सुझाव को लागू करने से पहले व्यवस्थागत व व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करना होगा। इसी तरह, यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने पर अदालत ने

आज के समय की एक बड़ी सामाजिक चुनौती की ओर संकेत करती है। इसी तरह, डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर अगर आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंकाएं उठने लगती हैं, तो इस ख़ा का निवारण भी जरूरी है कि कहीं नीति अपना उद्देश्य ही न खो दे। दूसरी तरफ, बच्चों को सोशल मीडिया तक पहुंच पर न्यायालय की चिंता

यह अधिकार होना ही चाहिए टिप्पणी की है। जहां संदेश, सर्वोच्च न्यायालय और देश की सर्वोच्च पुलिस-प्रशासनिक व्यवस्था मौजूद है, उस राजधानी में अगर महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करें, तो यह पूरी व्यवस्था की ही नाकामी कही जाएगी। इस क्रम में ट्रैफिक चालान से जुड़ा सुझाव भी दिलचस्प है।

अदालत ने हजारों करोड़ रुपयों के लॉबि चालानों की वसूली को बिजली के बिल से जोड़ने का सुझाव दिया है, जिससे बकाया वसूली आसान होने के साथ नागरिकों में भी नियमों के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा होगा। हालांकि, इस सुझाव को लागू करने से पहले व्यवस्थागत व व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करना होगा। इसी तरह, यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने पर अदालत ने

कम करना होगा ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। भारतीय नागरिकों द्वारा यदि भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है तो भारतीय विनिर्माण इकाइयों को विस्तार में जाना होगा एवं इससे भारत में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। कुल मिलाकरअन्य देशों से आयातित वस्तुओं के उपयोग को समाप्त करना होगा, यदि समाप्त नहीं कर सकते हैं तो कम तो करना ही होगा। भविष्य में, भारत सहित विकासशील देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में आने वाली कठिनाईयों के हल के लिए इन देशों के नागरिकों को अपनी महती भूमिका निभाने के लिए अपने आप को अभी से तैयार करना होगा।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है। यूक्रेन से जैसे-जैसे यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाईयों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सदी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सुरक्षा अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सदी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे

अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू.एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर

नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बॉंड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बॉंड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बॉंड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत सहित इन विकासशील देशों को भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करनी होगी। कुल मिलाकर अमेरिका ने ईरान के

साथ युद्ध प्रारम्भ कर विश्व के कई देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में समस्याएं खड़ी कर दी हैं।

भारत अभी तक तो अपनी आर्थिक सेहत को सम्हाले हुए है। क्योंकि भारत के पास 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है एवं भारत में आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार को चलते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में वसूली प्रभावी बनी हुई है। परंतु, युद्ध चलत और अधिक लंबे समय तक रहने की आशंका में भी आर्थिक क्षेत्र में कुछ परेशनियां आ सकती हैं। बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक यदित और अधिक लंबे समय तक अपने बॉटम में रोपे दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करने को मजबूर हो। ब्याज दरों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत के आर्थिक विकास की गति पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा। भारत द्वारा आयात की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं की कीमतें यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही हैं तो भारत को इन वस्तुओं को उच्च

कीमतों पर खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। भारतीय शेयर बाजार भी विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशक भी भारतीय पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल कर अमेरिकी बॉंड में अपना निवेश बढ़ा रहे है। इससे रुपए की कीमत और अधिक कम हो सकती है। विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच, भारतीय नागरिकों को भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने हेतु आगे आना होगा। इस संदर्भ में केंद्र एवं समस्त राज्य सरकारों तो अपना कार्य पूरी ईमानदारी से सम्पन्न करने का प्रयास कर ही रही हैं, परंतु नागरिकों को भी स्वदेशी अपनाकर एवं विभिन्न उत्पादों का संयम के साथ उपयोग कर अन्य देशों से उत्पादों के आयात को कम करने के प्रयास करने होंगे। भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना होगा एवं आयातित वस्तुओं के उपयोग को

यूएन मुख्यालय में एंटोनियो गुटेरेस से मिले जयशंकर, ग्लोबल साउथ और पश्चिम एशिया पर चर्चा



संयुक्त राष्ट्र

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने जारी संघर्षों जिनमें पश्चिम एशिया के हालात और ग्लोबल साउथ के देशों पर उनका असर शामिल है।

यह मुलाकात तब हुई जब जयशंकर यूएन महासभा के हाई-लेवल सप्ताह के दौरान अपने

कार्यक्रमों को पूरा कर रहे थे। यूएन प्रमुख के कार्यालय के अनुसार, बातचीत में बहुपक्षवाद, भारत-यूएन सहयोग और व्यापक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों जिनमें यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के हालात पर चर्चा हुई। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत मौजूदा संघर्षों और उनके असर को कम करने की ज़रूरत पर केंद्रित रही, खासकर

ग्लोबल साउथ पर पड़ने वाले असर को लेकर।

महासचिव के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि गुटेरेस और जयशंकर ने बहुपक्षवाद, भारत-यूएन सहयोग और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की, जिसमें यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व की स्थिति शामिल है। इसमें यह भी कहा गया कि महासचिव ने यूएन के साथ भारत के सहयोग की सराहना की। शनिवार को जनरल डिबेट में भारत का राष्ट्रीय

बयान देते हुए, जयशंकर ने दुनिया की इस संस्था के प्रमुख के तौर पर गुटेरेस की सेवाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा बहुपक्षवाद के लिए एक दशक तक सेवा और समर्पण के बाद, हम जल्द ही सैक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस को विदाई देंगे। भारत उनके कई योगदानों, खासकर मिशन स्ट्रक्चर के लिए उनके व्यक्तिगत समर्थन की बहुत कद्र करता है। यह गुटेरेस का हब्र (संयुक्त राष्ट्र महासभा) का आखिरी हाई-

लेवल हफ्ता था और ह प्रमुख के तौर पर उनका दूसरा पांच साल का कार्यकाल दिसंबर 2026 में खत्म हो रहा है। वे इस महीने की शुरुआत में ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे। एशिया सोसाइटी में बोलते हुए जयशंकर ने यह भी कहा कि हमें बहुत ही व्यस्त हफ्ते के दौरान वे अपने लगभग 85-90 समकक्षों से मिले, जो कई राजनयिक मुलाकातों का एक भरा-पूरा दौर था।

ये आदमी मॉनस्टर है...ट्रंप ने सुंदर पिचाई को दिया अजीबोगरीब कॉमप्लीमेंट

वाशिंगटन

व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बड़े अधिकारियों के साथ मीटिंग के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गूगल के सीओईओ सुंदर पिचाई को मॉन्स्टर कहा। यह टिप्पणी टेक्नोलॉजी जगत के दिग्गजों जिनमें पिचाई के अलावा मेटा के सीओईओ मार्क जुकरबर्ग और एंथ्रोपिक के सीओईओ डारियो अमोदेई भी शामिल थे। उनके साथ एआई सुरक्षा और निगरानी की तारीफ करने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया। ये अधिकारी एक ऐसे स्वेच्छिक फ़्रेमवर्क पर चर्चा करने के लिए मिल रहे थे, जिसका मकसद इंटरनल और एक्सटर्नल रिव्यू के जरिए एडवांस्ड एआई सिस्टम को



निगरानी को मजबूत करना था।

इस समझौते के बारे में बताते हुए पिचाई ने कहा कि कंपनियाँ एआई डेवलपमेंट के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस के स्थापित तरीकों को अपना रही हैं। पिचाई ने पत्रकारों से कहा कि हम प्रक्रियाओं और कंट्रोल के एक ऐसे सेट को अपना रहे हैं जैसे हम कंपनी में दूसरे क्षेत्रों, जैसे फाइनेंशियल कंट्रोल, में करते हैं। और हम सुपरइंटेलिजेंस के

डेवलपमेंट में उन जाने-माने बेहतरीन तरीकों को लागू कर रहे हैं। ज़करबर्ग ने कहा कि इस समझौते में मजबूत इंटरनल कंट्रोल बनाने और सिद्धांत और कम्पिटमेंट शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस समझौते में कई स्तरों पर निगरानी शामिल होगी, जिसमें इंटरनल रिस्क रिव्यू, बाहरी ऑडिटिंग और कंपनी बोर्ड

द्वारा स्वतंत्र रिव्यू शामिल हैं। समर्थकों और विरोधियों दोनों की बढ़ती आलोचना के बावजूद, ट्रंप ने कई महीनों तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार का बचाव किया है, जिसमें पूरे अमेरिका में डेटा सेंटर बनाना भी शामिल है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने तर्क दिया कि डेटा सेंटर से स्थानीय समुदायों को फायदा हो सकता है। ट्रंप ने कहा वैसे, मैं

रियल एस्टेट के मामले में बहुत माहिर हूँ। उनमें से कुछ इमारतें वाकई बहुत खूबसूरत हैं। वे बड़ी हैं, और आप जानते ही हैं, बड़ी, मजबूत और शानदार इमारतें हैं। लेकिन वे खूबसूरत भी हैं और किसी इलाके की शोभा बढ़ाती हैं। अमोदेई, जिनकी कंपनी एंथ्रोपिक ने अक्सर एडवांस्ड एआई सिस्टम से जुड़े संभावित खतरों के बारे में बताया है, ने कहा कि इंडस्ट्री सुरक्षा मानकों को बेहतर बना सकती है, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। लेकिन मुझे लगता है कि इस टेक्नोलॉजी से जुड़े जोखिम बहुत वास्तविक हैं। और, आप जानते ही हैं, इन जोखिमों से निपटने के तरीके पर अभी भी चर्चा चल रही है। अमोदेई, जिन्होंने रिववार को ट्रंप के साथ डिगर किया था, मंगलवार को व्हाइट हाउस में हुई बैठक में भी शामिल हुए। बाद में ट्रंप ने कहा कि एआई कंपनियाँ स्वेच्छ से किए गए वागों के जरिए इस टेक्नोलॉजी की निगरानी को मजबूत करने पर सहमत हो पाई हैं।

पाकिस्तान में फुटबॉल टीम के साथ लूटपाट, बंदूक की नोक पर बनाया निशाना, नकदी लेकर फरार हुए बदमाश

कराची

पाकिस्तान के बलूच प्रांत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां मुख्यमंत्री गोल्ड कप टूर्नामेंट में हिस्सा लेने कराची से क्रेटा जा रही एक फुटबॉल टीम को बलूच हाइवे पर हथियारों से लैस बदमाशों ने बंदूक की नोक पर लूट लिया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कराची डिस्ट्रिक्ट वेस्ट की फुटबॉल टीम बस से क्रेटा जा रही थी। जब बस मस्तरा और सरियाब के बीच पहुंची, तो 10 से 12 हथियारबंद लोगों ने उसे रोक लिया और फिर बंदूक की नोक पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया।

मामले में टीम मैनेजर जुल्फिकार अली भुट्टो ने बताया कि बदमाशों ने सभी यात्रियों को जबरन बस से नीचे उतार दिया और उनके मोबाइल फोन, नकदी तथा अन्य कीमती सामान लूट लिए। इतना ही नहीं, विरोध करने पर बदमाशों ने कुछ यात्रियों के साथ बदसलूकी और मारपीट भी



की।

लूटपाट की इस घटना के बाद बेसहारा और बिना पैसों के हुए खिलाड़ी जैसे-तैसे क्रेटा पहुंचे और वहां बलूचीस्तान के खेल मंत्री को पूरी घटना की जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद खेल मंत्री ने तुरंत हस्तक्षेप किया और खिलाड़ियों के रहने व खाने के लिए दैनिक भत्ते की व्यवस्था की। सिंध फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव मुहम्मद आजम ने खुलासा किया कि इस टीम ने सुरक्षा चेतावनियों को नजरअंदाज किया

था। उन्होंने बताया कि हमने सिंध की टीम को नहीं भेजा था और कराची के बाकी सभी क्लबों को भी सुरक्षा हालात के मद्देनजर बस या ट्रेन से क्रेटा जाने से मना किया था।

इसके बावजूद कराची वेस्ट की टीम अपनी जिद पर गई और वही हुआ जिसका हमें डर था। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की फुटबॉल एसोसिएशनों ने भी अपनी टीमों इस टूर्नामेंट के लिए नहीं भेजी थीं।

अखिलेश के बिना सब सूना है...

सपा और कांग्रेस गठबंधन पर बृजभूषण सिंह का बयान, बड़ी सियासी हलचल

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सीट-शेयरिंग को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। बुधवार को दिल्ली में बृजभूषण सिंह से कांग्रेस के उस बयान के बारे में पूछा गया जिसमें कहा गया था कि वह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी। इसके जवाब में उन्होंने कहा, अखिलेश के बिना सब कुछ खाली-खाली लगता है। अब इसपर अखिलेश यादव का भी बयान सामने आया है। अखिलेश ने कहा कि उनके साथ मेरे संबंध बहुत अछे हैं और हम सभी उत्तर प्रदेश के विकास और किसानों को खुशहाली के रास्ते पर ले जाने के मकसद के लिए एकजुट हैं। गोंडा की कैसरगंज सीट से बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अखिलेश का समर्थन किया। दिल्ली में अपने घर पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश के बिना कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है। जब उनसे पूछा



गया कि कांग्रेस कम से कम 150 सीटें मिलने पर ही उत्तर प्रदेश का चुनाव लड़ने की बात कह रही है और अखिलेश इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं, तो बीजेपी नेता ने कहा, अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अखिलेश शामिल होंगे या नहीं। हो सकता है कि उनकी पार्टी का कोई प्रतिनिधि बैठक में शामिल हो, लेकिन उत्तर प्रदेश में अखिलेश के बिना कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश में रायसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राम गोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी ने बुधवार को अपना नाथवामन पत्र दाखिल किया। यादव और नाथवानी ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, शिवपाल यादव और पार्टी विधायकों की

उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के ग्रुप प्रेसिडेंट हैं। इससे पहले पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल में कहा कि पार्टी के उम्मीदवार राम गोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी आज पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की उपस्थिति में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा की मौजूदा संख्या-बल के आधार पर किए गए आकलन के अनुसार, भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन आठ सीटों जीतने की स्थिति में है, जबकि कांग्रेस के समर्थन से सपा दो सीटें हासिल कर सकती है। समाजवादी पार्टी संभवतः अपना तीसरा उम्मीदवार भी उतारेगी। पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, हम तीसरे उम्मीदवार की भी घोषणा करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि पार्टी तीसरे उम्मीदवार की जीत कैसे सुनिश्चित करेगी, तो चौधरी ने कहा कि भाजपा के कई विधायक सरकार के कामकाज से असंतुष्ट हैं और उनकी पार्टी के उम्मीदवार को उनसे पूरा समर्थन मिलेगा।

महिला कर्मचारियों को हटाये जाने के विवाद के बाद एफिल टॉवर प्रमुख देंगे इस्तीफा

पेरिस, (वार्ता)। बोचासनवासी

अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था के एक धार्मिक समूह के एफिल टॉवर के दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल से हटाये जाने के विवाद के बाद इसका संचालन करने वाली कंपनी के प्रमुख पैट्रिक ब्रांको रुइवो इस वर्ष के अंत में पद छोड़ देंगे। साल 2018 से एफिल टॉवर के महानिदेशक रहे श्री रुइवो के कार्यकाल में हुई एक आंतरिक जांच में दौरे के आयोजन में परिचालन संबंधी खामियों और कमियों का पता चला। कंपनी सेते ने कहा कि इन कमियों के कारण महिला कर्मचारियों को हटया जाना अव्यवहार्य था। पांच सितंबर को बीएपीएस से जुड़े करीब 100 लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने एफिल टॉवर का निजी दौरा किया था। संगठन ने दौरे के दौरान महिलाओं के साथ बातचीत सीमित रखने का अनुरोध किया था। इसके बाद महिला कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल से हटकर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात करने के लिए कहा गया। यूकियन प्रतिनिधि डायने दावोइन ने घटना के बाद कहा कि महिला कर्मचारियों को इस तरह का व्यवहार दोबारा न झेलना पड़े। घटना के विरोध में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद पेरिस शहर के अधिकारियों ने भी जांच शुरू की।

फातिमा अल मंसूरी बनीं मोरक्को की पहली महिला प्रधानमंत्री

रबात, (वार्ता)

फातिमा अजहरा अल मंसूरी मोरक्को की पहली प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं। देश के संसदीय चुनावों में उनकी ऑर्थेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी की जीत के बाद सम्राट मोहम्मद ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। सुश्री अल मंसूरी मोरक्को की पहली महिला प्रधानमंत्री होंगी। उनकी पार्टी ने पिछले सप्ताह हुए चुनावों में 395 में से 97 सीटों पर जीत हासिल की। निवर्तमान प्रधानमंत्री अजीज़ अखन्नौच की नेशनल रैली ऑफ हॉर्डिमेंट्स पार्टी को 66 सीटें हासिल हुईं। सुश्री अल मंसूरी 2009



से मराकेस की मेयर रही हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पार्टी दूसरे दलों के साथ गठबंधन के लिए बातचीत कर रही है। पार्टी ने जीत के बाद शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार करने का वादा किया है। साल 2024 से सुश्री अल मंसूरी पार्टी के सामूहिक नेतृत्व का हिस्सा रही हैं, जब ऑर्थेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी किसी एक नेता को नहीं चुन पायी थी। वह 2021 से श्री अखन्नौच के नेतृत्व में शहरी योजना और आवास मंत्री के तौर पर भी काम कर रही हैं। इस वोट से मोरक्को के राजनीतिक संतुलन में कोई बड़ा बदलाव आने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि वहां विदेश नीति, रक्षा और अन्य अहम नीतिगत मामलों में राजा के पास व्यापक अधिकार

हैं। नयी संसद उस सरकार को तय करेगी, जो पुर्तगाल और स्पेन के साथ मिलकर फुटबॉल के 2030 वर्ल्ड कप की मेजबानी करने की 20 अरब डॉलर की तैयारी के आखिरी चरणों की देखरेख करेगी। नयी सरकार को वर्ल्ड कप सरकार कहा जा रहा है। मोरक्को स्टेडियम, रेलवे और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर रहा है और उसका लक्ष्य 2035 तक प्रति व्यक्ति आर्थिक उत्पादन को दोगुना करना है। सुश्री अल मंसूरी की सरकार से उम्मीद है कि वह ऐसी आर्थिक नीतियां भी अपनाएगी, जिनसे युवाओं में फैली नाराजगी को दूर किया जा सके। यह समस्या जुलाई में स्पेन के इलाके स्पूटा की सीमा पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ने और पिछले साल जेन जी के नेतृत्व में हुए जानलेवा विरोध-प्रदर्शनों से सामने आयी थी। कैपेन के दौरान ऑर्थेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी को फौजी लेकजा का समर्थन मिला, जो बजट मंत्री और फुटबॉल फेडरेशन के प्रमुख हैं। उन्हें संभावित प्रधानमंत्री के तौर पर भी देखा जा रहा था। इस पार्टी को 2008 में राजा के एक सलाहकार ने बनाया था। तब से इसने सामाजिक आधुनिकीकरण और धर्मनिरपेक्ष विचारों की वकालत करके खुद को इस्लामिस्ट जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी के मुकाबले एक ताकत के तौर पर स्थापित किया है। जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी ने चुनाव में 54 सीटें जीतीं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासियों को तीसरे देशों में भेजने की दी अनुमति

वाशिंगटन, (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निचली अदालत के उस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसने अमेरिकी अधिकारियों को प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा तीसरे देशों में भेजने से रोक दिया था। इससे प्रशासन को तीसरे देशों में प्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया फिर शुरू करने की अनुमति मिल गयी है। अदालत ने मैसाचुसेट्स की संघीय अदालत के 25 फरवरी 2026 के आदेश और फैसले पर रोक लगाते हुए कहा कि संबंधित आवेदन स्वीकार किया जाता है। इससे पहले मैसाचुसेट्स की संघीय अदालत ने अमेरिका से अन्य देशों में प्रवासियों को भेजने पर अस्थायी रोक लगायी थी। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल डॉड ब्लॉश ने पिछले सप्ताह कहा था न्याय विभाग मैसाचुसेट्स की अदालत के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही घोषणा की कि ट्रंप प्रशासन की प्रवासियों को तीसरे देशों में तेजी से निर्वासित करने की नीति की वैधता पर दिसंबर में सुनवाई की जाएगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

हिंदी फिल्म जगत की पहली डांसिंग क्वीन थीं कुक्कू

भारतीय सिनेमा जगत में अपनी नृत्य शैली और दिलकश अदाओं से दर्शकों को दीवाना बनाने वाली न जाने कितनी अभिनेत्रियाँ हुयी लेकिन चालीस के दशक में एक ऐसी अभिनेत्री भी हुयी जिसे डांसिंग क्वीन कहा जाता था और आज के सिने प्रेमी शायद उससे अपरिचित होंगे, लेकिन उस समय शोहरत की बुलंदियाँ छूने वाली उस अभिनेत्री का नाम कुक्कू था।कुक्कू मूल नाम कुक्के मोरे का जन्म 1928 में हुआ था।चालीस के दशक में कुक्कू ने फिल्म लैला मजनू के जरिये फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया। इस फिल्म में उन्हें समूह नृत्य में नृत्य करने का मौका मिला। 1945 में प्रदर्शित फिल्म मन की जीत में उन्हें एक बार फिर से नृत्य करने का मौका मिला। इस फिल्म में उन पर फिल्माया यह गीत मेरे जवान का देखा उभार श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ।1946 में कुक्कू को बतौर अभिनेत्री फिल्म अरब का सौदागर और 1947 में फिल्म सोना चांदी में काम करने का अवसर मिला। लेकिन दुर्भाग्य से दोनो ही फिल्में टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी हालाँकि कि कुक्कू पर फिल्माये गीत दर्शकों के बीच काफी पसंद किये गये। 1948 में कुक्कू को महबूब खान की फिल्म अनोखी अदा में भी काम करने का अवसर मिला। फिल्म की सफलता के बाद कुक्कू बतौर डॉसर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाबी हो गयी।1949 में कुक्कू को निर्माता-निर्देशक राजकपूर के बैनर तले बनी फिल्म बरसात में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में मुकेश की आवाज में उनपर फिल्माया यह गीत पतली कमर है तिरछी नजर हैउन दिनों श्रोताओं के बीच क्रेज बन गया था और आज भी श्रोताओं के बीच शिद्धत के साथ याद किया जाता है। 1952 में महबूब खान निर्मित फिल्म आन की खास बात यह थी कि यह हिंदुस्तान में बनी पहली टेक्नीकल फिल्म थी और इसे काफी खर्च के साथ वृहत पैमाने पर बनाया गया था। दिलीप कुमार प्रेमानाथ और नादिरा की मुख्य भूमिका वाली इस



फिल्म से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह भी है कि भारत में बनी यह पहली फिल्म थी जो पूरे विश्व में एक साथ प्रदर्शित की गयी। पचास के दशक में कुक्कू की लोकप्रियता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि उन दिनों जब फिल्म बनने के बाद उसकी पहली झलक वितरक को दिखायी जाती तो वह कहते फिल्म में कुक्कू कहाँ है बाद में फिल्म में कुक्कू को शामिल किया जाता और उसपर एक या दो गीत अवश्य फिल्माये जाते।

कुक्कू को नये डिजाइन की फैशेनबल चप्पल पहनने का शौक था। जब कभी वह फिल्म स्टूडियों में डिजाइनर चप्पले या जूते पहनकर आती तो देखने वाले उन्हें देखते रह जाते। माना जाता है कि कुक्कू के पास विभिन्न डिजाइन वाले लगभग 5000 जोड़ी चप्पले थी। मशहूर नृत्यांगना हेलेन को फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित करने के लिये कुक्कू ने अहम भूमिका निभाई। कुक्कू की सिफारिश की वजह से हेलेन को शबिस्तान और फिर आबारा 1951 फिल्में में नर्तकों के समूह में काम करने का करने का मौका मिला। 1945 से 1965 तक कुक्कू ने फिल्म इंडस्ट्री पर एकछत्र राज किया। उन्होंने आजीवन विवाह नही किया। नितांत अकेले रहने वाली कुक्कू को इस दौरान कैप्सर जैसी जटिल बीमारी का शिकार हो गयी अपने अपने गम को भुलाने के लिये शराब का सेवन करने लगी।फिल्म इंडस्ट्री में लगभग दो दशक तक अपनी नृत्य शैली से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाने वाली कुक्कू 30 सितंबर 1981 को इस दुनिया को अलविदा कह गयी।कुक्कू ने अपने दो दशक लंबे सिने करियर में कई फिल्मों में काम किया। उनके करियर की उल्लेखनीय फिल्में में कुछ है, विद्या,शबनम, पतंगा, पारस, अंदाज,हमारी बेटी,खिलाड़ी, आरजू ,बावरेनैन, शबिस्तान, हलचल,मिस्टर एंड मिससे 55,यहूदी,फागुन,चलती का नाम गाड़ी,गैबलर,मुझे जीने दो आदि।

वीर पहाड़िया का इमोशनल अंदाज़ दिखा प्रेम कीटाणु के गीत तुझसे बिछड़ के में

वीर पहाड़िया की आगामी फिल्म प्रेम कीटाणु का नया हार्टब्रेक गीत तुझसे बिछड़ के रिलीज हो गया है। गीत में प्यार, जुदाई और टूटे रिश्ते के दर्द को भावनात्मक अंदाज में पेश किया गया है। वीर पहाड़िया और आफिया सैयद पर फिल्माए गए इस गीत में दोनों के किरदारों के बीच रिश्ते की भावनात्मक उथल-पुथल देखने को मिलती है। तुझसे बिछड़ के में वीर पहाड़िया अपने किरदार के संवेदनशील और भावुक पक्ष को सामने लाते नजर आ रहे हैं। गीत के जरिए उनके किरदार की इमोशनल जर्नी और रिश्तों की जटिलताओं की झलक मिलती है। फिल्म के ट्रेलर में भी इस गीत की झलक दिखाई गई थी। मधुर शर्मा ने गीत को अपनी आवाज दी है, जबकि इसका संगीत राहुल मिश्रा ने तैयार किया है और गीत के बोल मीर ने लिखे हैं। अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी प्रेम कीटाणु में वीर पहाड़िया, अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय प्रमुख भूमिकाओं में हैं। गौरव वर्मा द्वारा अर्वाकिका फिल्म्स के बैनर तले निर्मित यह फिल्म 02 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



चार माह से भुगतान नहीं मिलने पर मध्यान्ह भोजन रसोइयों की हड़ताल

धनौरा स्वतंत्रमत - मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइयों को बीते चार माह से मानदेय का भुगतान नहीं मिलने के चलते सिवनी जिले में रसोइयों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। भुगतान की मांग को लेकर मध्यान्ह भोजन रसोइया संघ द्वारा हड़ताल शुरू कर दी गई है। रसोइयों का कहना है कि उन्हें मात्र 4 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है और कई रसोइया इसी कार्य पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में चार माह से भुगतान नहीं होने के कारण परिवार के भरण-पोषण में गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रसोइया संघ द्वारा भुगतान की मांग को लेकर मंत्री, कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा जा चुका है। इसके बावजूद समय पर भुगतान नहीं

मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए रसोइयों पर दबाव डालने के आरोप, जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन



होने से रसोइयों में नाराजगी है। हड़ताल के चलते प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था प्रभावित हो रही है और स्कूल प्रबंधन समितियों को भोजन तैयार कराने के लिए

वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। हड़ताल पर बैठे रसोइयों में से एक रसोइया ने आरोप लगाया कि वह ग्वारी प्राथमिक शाला में रसोई का कार्य करती है। उसके अनुसार स्थानीय ग्रामीणों

के साथ-साथ विद्यालय के प्रधान पाठक रंजन सिंह बाकले एवं स्कूल के चपरासी द्वारा मध्यान्ह भोजन तैयार करने के लिए उस पर दबाव बनाया जा रहा है। रसोइया का कहना है कि जब संघ द्वारा भुगतान नहीं होने के विरोध में हड़ताल की जा रही है, तो इसके बावजूद उससे भोजन बनाने के लिए कहा जा रहा है। वहीं लगाए गए आरोपों के संबंध में मध्यान्ह भोजन प्रभारी विकासखंड धनौरा उड्के जी. से जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि रसोइया के ऊपर मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए दबाव डाले जाने की शिकायत की जांच कराई जाएगी और आरोप सही पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मक्के के खेत में मिला शव, शिनाख्त के प्रयास जारी



सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी/कुरई जिले में कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम सातोशा में बुधवार को मक्के

के खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। बरघाट एसडीओपी ललित गठने ने बताया कि ग्राम सातोशा के एक खेत में अज्ञात महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। प्रथम दृष्टया महिला स्थानीय निवासी नहीं लग रही है। महिला के पैर के पास काले निशान भी पाए गए हैं, जो प्रथम दृष्टया करंट लगने से बने निशान जैसे प्रतीत हो रहे हैं। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के अनुसार, मृतका की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। महिला खेत तक कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ ही महिला की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं।

6 माह में ही धंसने लगा अगासी आरओबी !

जगह-जगह बैठी सड़क, दरकी सेफ्टी वॉल ने खोली निर्माण गुणवत्ता की पोल

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

कटंगी-बालाघाट मुख्य मार्ग पर ग्राम अगासी में कई लाखों रुपए की लागत से तैयार किया गया रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) महज छह महीने में ही सवालों के घेरे में आ गया है। आम जनता के लिए शुरू हुए अभी ज्यादा समय भी नहीं बीता और ब्रिज की सड़क कई स्थानों पर नीचे बैठ गई है। कहीं सड़क में धंसाव है तो कहीं सेफ्टी वॉल दरकरकर अपनी जगह से खिसक गई है। हालात यह हैं कि जिस आरओबी को सुगम और सुरक्षित आवागमन की गारंटी माना गया

था, वही अब वाहन चालकों के लिए जोखिम बनता दिखाई दे रहा है। आरओबी की सड़क का जगह-जगह धंसना सामान्य टूट-फूट का मामला नहीं माना जा सकता। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सड़क पर उभर आए धंसाव के कारण वाहन चलते समय असंतुलित होते हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति गंभीर खतरा पैदा कर रही है। रात के समय या तेज रफ्तार में इन स्थानों पर दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस निर्माण को लंबे समय तक भारी यातायात और मौसम की मार झेलनी थी, वह छह महीने में ही बैठने क्यों लगा? गांव के युवा अवलेश पारधी के अनुसार, निर्माण कार्य की निगरानी से जुड़े व्यक्ति से जब सड़क के धंसने को लेकर सवाल किया गया तो जवाब दिया गया कि



अभी डामर की पहली कोटिंग हुई है और दूसरी-तीसरी कोटिंग के बाद समस्या दूर हो जाएगी। लेकिन यही जवाब अब एक बड़ा सवाल खड़ा करता है अगर पहली कोटिंग के बाद ही सड़क कई जगह बैठ गई तो निर्माण के नीचे की लेयर और बेस की गुणवत्ता की जांच कौन करेगा? और इससे भी अहम सवाल-दरकी और अपनी जगह से खिसकी सेफ्टी वॉल को कौन-सी डामर कोटिंग ठीक करेगी?

आरओबी के दोनों ओर वाहनों की सुरक्षा के लिए बनाई गई सेफ्टी वॉल कई स्थानों पर दरकी हुई है। कुछ हिस्सों के अपनी निर्धारित स्थिति से हट गई है। यह महज सड़क का धंसना ही नहीं है, बल्कि ब्रिज पर सुरक्षा संरचना का उद्देश्य ही वाहन को किनारे से नीचे जाने से रोकना है। ऐसे में सड़क का धंसना और सुरक्षा दीवारों का दरकना एक साथ सामने आना निर्माण की गुणवत्ता

और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। कॉम्प्लेक्शन की जांच हुई थी या सिर्फ कागजों में? -तकनीकी तौर पर सड़क निर्माण में मिट्टी और नीचे की परतों का पर्याप्त कॉम्पैक्शन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि भराव सामग्री को निर्धारित मानकों के अनुसार दबाया और स्थिर नहीं किया गया हो तो ऊपर सड़क बनने के बाद बैठने की समस्या सामने आती है। ऐसे में अब जांच का विषय यह होना चाहिए कि आरओबी के एग्रीज रोड और अन्य हिस्सों में किए गए भराव का कॉम्पैक्शन किस मानक के अनुसार किया गया? उसकी टेस्ट रिपोर्ट क्या है? निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच कब और किस स्तर पर हुई? भ्रष्टाचार के आरोप से पहले हो निष्पक्ष तकनीकी जांच... स्थानीय लोगों में इस बात को

लेकर नाराजगी है कि सरकारी धन से बने महत्वपूर्ण निर्माण में इतनी जल्दी खामियां सामने आ रही हैं। हालांकि भ्रष्टाचार हुआ है या नहीं, यह जांच के बिना कहना उचित नहीं होगा, लेकिन परिस्थितियां इतनी गंभीर जरूर हैं कि स्वतंत्र तकनीकी जांच जरूरी दिखाई देती है। जांच में निर्माण एजेंसी गति शक्ति कंस्ट्रक्शन, संबंधित विभागीय अधिकारियों की निगरानी, निर्माण सामग्री, कॉम्पैक्शन, सड़क की बेस लेयर, डामरीकरण और सेफ्टी वॉल की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि दूसरी-तीसरी कोटिंग का काम आगे बढ़ाने से पहले मौजूदा धंसाव के कारण की तकनीकी जांच हो। वरना ऊपर नई परतें चढ़ती रहेंगी और कुछ समय बाद वही समस्या फिर सामने आने का खतरा रहेगा।

पीओपी काम करते समय चक्कर खाकर गिरे मजदूर की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले से रोजी-रोटी की तलाश में बालाघाट आए 65 वर्षीय मजदूर मुस्तफा की बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह शहर के गौली मोहल्ला स्थित एक निर्माणधीन मकान में पीओपी का काम कर रहे थे। काम के दौरान अचानक चक्कर आया और वह जमीन पर गिर पड़े। साथ काम कर रहे मजदूरों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। मामले की आगे की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जाएगी।

जानकारी के अनुसार मुस्तफा करीब दो महीने पहले अपने गांव के रेहान खान के साथ मजदूरी करने बालाघाट आए थे। दोनों शहर के शांति नगर में किराए के मकान में रह रहे थे। बुधवार को वह रोज की तरह काम पर गए थे, लेकिन काम करते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। फिलहाल मुस्तफा की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। प्रारंभिक तौर पर हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। मुस्तफा के बेटे शहजाद ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसी मजबूरी के चलते पिता को 65 वर्ष की उम्र में भी घर से सैकड़ों किलोमीटर दूर मजदूरी के लिए आना पड़ा। उनके परिवार में छह बेटियां और दो बेटे हैं। दो बेटियों और एक बेटे की शादी अभी बाकी है। पिता की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मजदूरों पर मैनेजर की तानाशाही रवैया!

सितापठोर मैंगनीज मार्यल में मजदूरों का शोषण का मामला

मजदूर बोले-समय पर नहीं मिल रही मजदूरी, मांगने पर निकालने की धमकी

बालाघाट/कटंगी(स्वतंत्र मत)। माॅयल में ठेकेदारों के इशारे पर माॅयल मैनेजर कार्य कर रहे हैं और मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिलने की आवाज उठाने पर काम से निकालने की धमकी दी जा रही है। कुछ ऐसा ही मामला बालाघाट जिले की तिरौड़ी तहसील के ग्राम सुकली में संचालित भारत सरकार के उपक्रम मैंगनीज माॅयल में मजदूरों के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार और आर्थिक शोषण का मामला सामने आया हैं। यहां तक की मजदूरों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मजदूरी की आवाज ठेकेदार माॅयल मैनेजर के संरक्षण पर दबाई जा रही हैं। अब मैनेजर के बजाए गांव के सरपंच को शिकायत की हैं कि साहब



हमारी मजदूरी समय पर दिलावा दो...? मजदूरों के मुताबिक ठेकेदार उन्हें महीनों तक मजदूरी नहीं देता और जब माॅयल प्रबंधक से इसकी शिकायत की जाती है तो उन्हें काम से निकाल दिए जाने की धमकी दी जाती हैं। मजदूरों ने बताया कि इस संबंध में कई बार माॅयल प्रबंधक से मौखिक शिकायत की गई बावजूद इसके आज तक मजदूरों की समस्याओं का प्रबंधक के द्वारा निराकरण नहीं किया गया है। मजदूरों ने इस पूरे मामले को लेकर 30 सितम्बर को ग्राम पंचायत सुकली के सरपंच घनश्याम कुंजाम को लिखित शिकायती आवेदन देकर न्याय दिलाने की गुहार लगाई हैं। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि

अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। मजदूरों ने 6 सूत्रीय बिंदुओं के आधार पर शिकायत कर माॅयल के भीतर चल रही गतिविधियों का पूरा चिट्ठा खोला है। ठेकेदार तीन महीने तक नहीं देता मजदूरी... मजदूरों का आरोप है कि ठेकेदार उन्हें 2 से 3 महीने तक मजदूरी नहीं देता। मजदूर रोज खदान में अपनी जान जोखिम में डालकर काम करते हैं, लेकिन जब मजदूरी मांगने जाते हैं तो ठेकेदार आज-कल का बहाना बनाकर खाली हाथ लौटा देता हैं। प्रतिमाह मजदूरी नहीं मिलने से गरीब मजदूरों के घर में चूल्हा जलना मुश्किल हो गया हैं। मजदूरों ने बताया कि उन्होंने कई बार मौखिक

रूप से माॅयल मैनेजर सुकली को इस संबंध में शिकायत की, लेकिन मैनेजर ने हर बार उनकी शिकायत को नजर अंदाज ही किया। मजदूरों की बात सुनने के बजाय उन्हें दुत्कार दिया जाता है। आवाज उठाई तो काम से बंद...सबसे गंभीर आरोप यह है कि जब वह अपनी मजदूरी के लिए आवाज उठाते हैं तो उन्हें काम से निकाल दिया जाता है और बकाया मजदूरी भी नहीं दी जाती। इस डर से कई मजदूर चुपचाप शोषण सहने को मजबूर हैं। स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देने के बजाय उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। मैनेजर का तानाशाही रवैया...मजदूरों का कहना है

माॅयल मैनेजर अपने पद का दुरुपयोग कर तानाशाही रवैया चला रहे हैं और वह मजदूरों को बेरोजगार कर रहे हैं। मजदूरों ने एक और बड़ा मुद्दा उठाया है कि सुकली माॅयल में लगभग 6 से 7 सालों के अंतराल में किसी भी प्रकार का रोजगार नहीं बढ़ाया गया है। जबकि माॅयल का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। बाहर के लोगों को लाकर काम कराया जा रहा है।

इनका कहना हैं
मजदूरों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं, मजदूरों को कहा गया हैं कि आप लिखित में शिकायत दीजिए। मजदूरों ने ठेकेदार पर आरोप लगाए हैं तो इसकी जांच की जाएगी और अगर मजदूरों को ठेकेदार द्वारा मजदूरी समय पर नहीं दी जाती हैं और काम से निकालने की धमकी दी जाती हैं तो अवश्य ही जांच कर ठेकेदार पर कार्रवाई की जाएगी।
आर. एस. चौबे माॅयल मैनेजर, सितापठोर

फर्जी मार्कशीट से पोस्ट ऑफिस में पाई नौकरी

सीबीआई ने तीन कर्मचारियों को किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत) डाक विभाग की ग्रामीण डाक सेवा भर्ती में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने फर्जी अंकसूची के आधार पर नौकरी करने वाले 8 कर्मचारियों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इसमें तीन कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्हें कटनी जिले के विभिन्न उप डाकघरों में पदस्थ किया गया था। इन सभी आठों कर्मचारियों को डाक विभाग ने तत्काल प्रभाव से नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। जानकारी के मुताबिक जनवरी 2024 और जुलाई 2024 में ग्रामीण डाक सेवक पदों के लिए निकली ऑनलाइन भर्ती में अभ्यर्थियों ने अपनी 10वीं की सेल्फ अटेस्टेड अंकसूचियां पोर्टल पर अपलोड की थीं। भौतिक सत्यापन में इसकी पोल खुल गई। नौकरी मिलने और पोस्टिंग हो जाने के बाद जब डाक विभाग ने संबंधित बोर्ड्स से इन अंकसूचियों का भौतिक सत्यापन कराया तो वे पूरी तरह जाली निकलीं। फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद सहायक अधीक्षक



डाकघर उपसंभाग क्रमांक 1 की शिकायत पर सीबीआई ने मामला दर्ज कर सभी 8 आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया।

बिहार, जम्मू एंड कश्मीर और राज्य ओपन की फर्जी डिग्री

कटनी जिले के विभिन्न उप डाकघरों में पदस्थ इन तीन आरोपियों ने देश के अलग-अलग राज्यों के शिक्षा बोर्डों के नाम से फर्जी अंकसूचियां तैयार करवाई थीं। जिससे कटनी जिले के उप डाकघरों में तैनात तीन आरोपियों में से रमाकांत शर्मा निवासी मुरैना ने मोहतरा उपडाकघर के लिए बिहार स्कूल एग्जामिनेशन बोर्ड की जाली अंकसूची दी थी। उमरियापान उप डाकघर में पदस्थ देवेन्द्र सिंह चौहान निवासी देवास ने जम्मू एंड कश्मीर स्टेट ओपन और संसापुर उप

डाकघर में पदस्थ बद्री प्रसाद यादव निवासी टीकमगढ़ ने मध्यप्रदेश राज्य ओपन की फर्जी मार्कशीट के आधार पर ग्रामीण डाक सेवक पद पर नियुक्ति पाई थी। विभागीय सत्यापन में इन सभी बोर्ड्स से अंकसूचियां फर्जी प्रमाणित होने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई कर इन सभी को गिरफ्तार कर लिया है।

कहीं गिरोह तो सक्रिय नहीं

सीबीआई की शुरुआती जांच में सामने आया है कि फर्जी अंकसूची को बनाने और बेचने वाले रैकेट का जाल कई राज्यों में फैला है। बिहार स्कूल एग्जामिनेशन, मध्यप्रदेश राज्य ओपन, जम्मू कश्मीर स्टेट ओपन और झारखंड एकेडमिक कार्डसिल जैसे मान्यता प्राप्त बोर्ड की नकली मार्कशीट तैयार कर अभ्यर्थियों को हजारों रुपये में बेची जाती थीं। सीबीआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इन आरोपियों ने फर्जी मार्कशीट किसी गिरोह या बिचौलिए के माध्यम से बनाई थी।

जर्जर सड़क ने बढ़ाई राहगीरों की परेशानी नगर परिषद अध्यक्ष ने उठाई आवाज

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ नगर की महत्वपूर्ण सड़कों की बदहाल स्थिति अब आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। नवीन बस स्टैंड से भारतीय स्टेट बैंक तक की मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो जाने से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। नगर परिषद विजयाघवगढ़ की अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी को पत्र भेजकर नवीन बस स्टैंड से भारतीय स्टेट बैंक तक की मेन रोड का शीघ्र सुधार कार्य कराए जाने की मांग की है। नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि निकाय क्षेत्र के अंतर्गत नवीन बस स्टैंड से भारतीय स्टेट बैंक तक की सड़क का कार्य कराया गया था लेकिन वर्तमान में यह सड़क जर्जर हो गई है। बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति और खराब हो जाने से राहगीरों को

आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। मुख्य मार्ग होने के कारण इस सड़क पर दिनभर बड़ी संख्या में नागरिकों और वाहनों का आवागमन रहता है। सड़क की खराब स्थिति का सीधा असर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। कई स्थानों पर सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि वाहन चालकों को संभलकर आवागमन करना पड़ता है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति अधिक परेशानी पैदा कर रही है। दुर्घटना की आशंका जनप्रतिनिधियों तक पहुंच रही शिकायतें पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। नागरिकों द्वारा लगातार इस समस्या की शिकायत जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी उठाई जा रही है। नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने पत्र में कहा कि आम नागरिकों की सुविधा और जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क की स्थिति को देखते हुए अतिशीघ्र सुधार कार्य कराया जाना आवश्यक है, ताकि किसी अग्रिय घटना को होने से रोका जा सके।

मेन स्टेशन से मिशन चौक तक निकली पैदल यात्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)। छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित छात्रों की गुंज कार्यक्रम का कटनी में व्यापक प्रभाव देखने को मिला। इसी क्रम में मेन स्टेशन कटनी से मिशन चौक तक पैदल यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पैदल यात्रा मेन स्टेशन से प्रारंभ होकर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, सुभाष चौक एवं गांधी द्वार होते हुए मिशन चौक पहुंची। इसके पश्चात मिशन चौक में छात्रों की गुंज

कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान कटनी शहर के हजारों लोग मिशन चौक पर रुके और राहुल गांधी जी के संबोधन एवं छात्रों-युवाओं से जुड़े मुद्दों पर उनके विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। राहुल गांधी जी ने छात्रों और युवाओं के भविष्य, शिक्षा, रोजगार तथा उनके अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम के दौरान वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी युवाओं और आमजन में चर्चा देखने को मिली। शिक्षा



व्यवस्था में सुधार तथा विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। एड. अमित शुक्ला ने कहा कि छात्रों और युवाओं की आवाज को जन-जन तक पहुंचाना आज की आवश्यकता है। कटनी में हजारों लोगों का

रुककर छात्रों की गुंज कार्यक्रम सुनना इस बात को दर्शाता है कि युवा अपने भविष्य और शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े सवालों पर छात्रों के साथ सीधा संवाद जरूरी है और युवाओं की आवाज को मजबूती से सामने लाना हमारी प्राथमिकता है। इस दौरान एड. अमित शुक्ला, कु. सौरभ सिंह, प्रियदर्शन गौर, करन सिंह चौहान, रामनरेश त्रिपाठी, बी.एम. तिवारी, हरिशंकर शुक्ल,

रजनी वर्मा, जालेंम यादव, राजा जगवानी, प्रेम बत्रा प्रशांत जायसवाल, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवाणी, अरुण मामा कनौंजिया, डॉक्टर आनंद पटेल, गोल्डन पांडे, पंकज गौतम, मंगल सिंह, मंजो गुप्ता, मोसुफ अहमद बिद्व, चोखे भाईजान, इस्तियाक अहमद, शुभम मिश्रा, विजय मंगल चौधरी, संजय गुप्ता, मंजू निषाद, अहमद कुरैशी, मधु नायक, डॉक्टर नरेन्द्र राय, देवीदीन, सलाहूद्दीन खान, श्याम पाहुजा, अंशु गुप्ता, आदिता वर्मा, प्रमिला मरावी, शशि यादव, आदि उपस्थित रहे।

30 सितंबर से 11 अक्टूबर तक बिजली मंटेनेंस

कटनी (स्वतंत्रमत)। बारिश के बाद त्योहार से पूर्व एम पी ई बी शहर संभाग में गुणवत्ता पूर्वक विद्युत आपूर्ति हेतु म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, शहर संभाग कटनी के अंतर्गत आने वाली 33 केवी एवं 11 केवी फीडर लाइनों के आवश्यक संधारण (मंटेनेंस) कार्य के चलते 30 सितंबर से 11 अक्टूबर तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बारी-बारी से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कार्यपालन यंत्री मुखेश महांबी से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, तय तिथियों में संंधारण कार्य प्रतिदिन सुबह 09:30 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक संपन्न कराया जाएगा। इस दौरान संबंधित 33 एवं 11 केवी उपकेंद्रों व फीडरों से जुड़े सभी उच्चदाब (एचवटी) एवं निनदाब (एलटी) उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार कार्य की स्थिति को देखते हुए कटौती की समयावधि घटाई अथवा बढ़ाई भी जा सकती है।कार्यपालन यंत्री ने सभी संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से मंटेनेंस अवधि के दौरान सहयोग करने तथा जरूरी कार्य पूर्व में ही पूर्ण कर लेने की अपील की है।

घंटाघर में निगम की सफाई व्यवस्था की खुली पोल

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के प्रमुख व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र घंटाघर स्थित रामलीला मैदान के पीछे पसरी गंदगी ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी है। मैदान के पीछे बड़ी मात्रा में कचरा जमा है और डस्टबिन के आसपास से लेकर सड़क किनारे तक गंदगी बिखरी पड़ी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब कचरा उठाने के लिए निगम के वाहन और डस्टबिन मौजूद हैं, तो फिर नियमित सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था आखिर क्यों नहीं हो पा रही है? मौके की तस्वीरें निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करने के लिए काफी हैं। प्लास्टिक की थैलियां, डिस्पोजल ग्लास, थर्माकोल और सड़ता हुआ जैविक कचरा सड़क किनारे फैला हुआ है। कचरा जमा होने के कारण दुर्गंध फैल रही है और आसपास के दुकानदारों तथा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डस्टबिन से बाहर फैल रहा कचरा

नगर निगम द्वारा कचरा संग्रहण के लिए डस्टबिन और वाहन की व्यवस्था किए जाने के बावजूद यदि कचरा डस्टबिन के बाहर सड़क तक पहुंच रहा है, तो यह नियमित मॉनिटरिंग और सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। समय पर कचरा नहीं उठने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। नगर निगम शहर को स्वच्छ रखने के लिए तमाम व्यवस्थाएं और अभियान चलाता है, लेकिन घंटाघर जैसे प्रमुख स्थान के पीछे पसरी गंदगी इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े करती है। यहां से रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था का यह हाल जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करता है।

तत्काल सफाई और नियमित निगरानी की मांग

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने नगर निगम से तत्काल कचरा हटवाने, क्षेत्र की नियमित सफाई कराने तथा कचरा संग्रहण व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि शहर के प्रमुख स्थानों पर यदि इसी तरह कचरा जमा होता रहा तो स्वच्छता व्यवस्था के दावों का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

2 से 10 अक्टूबर तक सेवा मेरा योगदान अभियान जनभागीदारी से सेवा का बनेगा जनआंदोलन

स्वच्छता से स्वास्थ्य, वृद्धजनों की सेवा से सैनिक सम्मान और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद

कटनी (स्वतंत्रमत)

गांधी जयंती से राष्ट्रसेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कटनी जिले में सेवा मेरा योगदान अभियान का आयोजन 2 से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। कलेक्टर आशीष तिवारी ने सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, वृद्धजनों एवं अनाथ बच्चों की सेवा, नेत्र परीक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, वृक्षारोपण, सैनिकों एवं उनके परिवारों का सम्मान तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता जैसी नौ गतिविधियां जिले में आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं। अभियान का मूल उद्देश्य सेवा को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की स्थायी भावना में बदलना है। इसके लिए जिला, विकासखंड, नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से सेवा कार्यों को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा गतिविधि से होगी।

स्वच्छता कर्मियों को सम्मान करने के साथ प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। स्वच्छता जागरूकता रैली और जनसंवाद के माध्यम से गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। जन स्रोतों, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, शासकीय भवनों, उद्यानों, चौराहों, विद्यालयों, बाजारों, चिकित्सालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, श्रमदान तथा सामूहिक संकल्प के कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक वार्ड और पंचायत में स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्थानीय नागरिकों की जिम्मेदारी तय करने पर भी जोर दिया जाएगा। 3 अक्टूबर को जिले में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंदों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के साथ गंभीर मामलों को संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने और आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन की व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य शिविरों में लोगों को पोषण, स्वस्थ जीवनशैली और रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने के साथ शासन की स्वास्थ्य योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी। 4 अक्टूबर को वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में



सेवा गतिविधियां आयोजित होंगी। वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव सुने जाएंगे तथा भोजन, फल और दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और मनोरंजन एवं वृद्धजनों के साथ अपनत्व का भाव मजबूत किया जाएगा। इसी दिन अनाथालयों में बच्चों के साथ संवाद, भोजन एवं फल वितरण, कपड़े, जूते-चप्पल, स्टेशनरी तथा दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराने के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बच्चों की शिक्षा में आवश्यक सहायक सामग्री के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। 6 अक्टूबर को नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित कर विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से दृष्टि संबंधी समस्याओं की जांच की जाएगी। जरूरतमंदों को आवश्यकताओं के संभव होने पर निःशुल्क चश्मे उपलब्ध

कराए जाएंगे तथा गंभीर मामलों को उपचार अथवा ऑपरेशन के लिए संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहयोग किया जाएगा।

8 अक्टूबर को दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियां होंगी

दिव्यांगजनों को कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों की जानकारी देने के साथ आवश्यक सामग्री एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग किया जाएगा। प्रतिभावान दिव्यांगजनों का सम्मान, उनकी निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी और प्रेरक संवाद के माध्यम से सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा। 9 अक्टूबर को जिले में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पौधों का चयन कर रोपण किया जाएगा। एक पेड़ मां के नाम, एक व्यक्ति-एक पौधा और एक परिवार-एक पौधा जैसी पहल को जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाएगा। रोपित पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इसी दिन सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके अभिभावकों के सम्मान के लिए कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रसेवा में उनके योगदान और अनुभवों पर आत्मीय संवाद के साथ सैनिक परिवारों की आवश्यकताओं के अनुसार सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया

जाएगा। युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और कर्तव्यबोध की भावना को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा।

10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में बनेगा समाज भागीदार

अभियान के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूल बैग, पुस्तकें, कॉपियां, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म, जूते और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाएगा। साथ ही सक्षम नागरिकों और सामाजिक संगठनों को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में दीर्घकालीन सहयोग के लिए जोड़ा जाएगा। मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों की निरंतर शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एक विद्यार्थी-एक संकल्प पहल के माध्यम से सहयोग का संकल्प लिया जाएगा। प्रेरक संवाद और मार्गदर्शन के जरिए विद्यार्थियों में गति के प्रति उत्साह, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना विकसित करने का प्रयास होगा। सेवा मेरा योगदान अभियान में विभिन्न विभागों के साथ सामाजिक संगठनों, स्थानीय संस्थाओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, वन, उद्यानिकी, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य, पुलिस, आपदा प्रबंधन सहित संबंधित विभाग अपने-अपने स्तर पर गतिविधियों में सहयोग करेंगे।



पत्र, स्मृति-चिह्न, एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. रोशनी पाण्डेय ने भी अपने उद्बोधन में हेमलता सिंह को सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं देते हुए प्रयोगशाला में उनके द्वारा किए गए कार्यों, सहयोग एवं जिम्मेदारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिंह के सेवानिवृत्ति होने से विभाग एवं प्रयोगशाला में उनकी कमी निश्चित रूप से महसूस होगी। अपने संबोधन में हेमलता सिंह ने महाविद्यालय में बिताए अपने सेवाकाल की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के सहयोग और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपने कार्यकाल के अनुभवों को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिवार के साथ बिताया समय उनके जीवन की महत्वपूर्ण एवं अविस्मरणीय स्मृतियों में सदैव बना रहेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजयकांत भारद्वाज द्वारा किया गया। अंत में डॉ. रोशनी पाण्डेय ने उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एशियाड में भारत को 10वां गोल्ड, ईरान को पीछे छोड़ा

तीरंदाजी में 3, शूटिंग में 1 गोल्ड, मेडल टैली में सातवें नंबर पर पहुंचा भारत

आइची नागोया

भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोड़कर मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता। इसके बाद चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांड और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता। भारत ने कंपाउंड आर्चरी के तीनों इवेंट में गोल्ड जीते। विमेंस टीम ने चीन को 238-234 से हराकर अपने खिताब का बचाव किया। मिक्स्ड टीम फाइनल में चिकिता और साहिल का मुकाबला साउथ कोरिया की पार्क जंगयून और चोई योंगही से था। भारत ने शूट-ऑफ में गोल्ड अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजलिस ओलिंपिक के कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए कोटा भी हासिल किया। पुरुष टीम फाइनल में साहिल, गणेश और कुशल की टीम ने चीन को 238-237 से हराया। भारत शुरुआती एंड में 58-60 से पीछे था, लेकिन इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने लगातार शानदार निशाने लगाए। फाइनल के बाद के 180 में भारत ने 180 अंक हासिल किए। साहिल ने अपने सभी 8 शॉट में 10 अंक बनाए, जबकि गणेश और कुशल ने भी दबाव के बीच लगातार 10 लगाए।



भारत : 10 गोल्ड, 60 मेडल

बॉक्सिंग में 2 ब्रॉन्ज, लवलीना फाइनल में

बॉक्सिंग में प्रियंका घंघास को विमेंस 60 किग्रा सेमीफाइनल में चीन की यांग चेंग्यू से 4-1 से हार मिली। उन्हें ब्रॉन्ज मिला। कपिल पोखरियाने पुरुषों के 90 किग्रा सेमीफाइनल में तुराबेक खाबिबुल्लाएव के खिलाफ 4-1 से हार के बाद ब्रॉन्ज जीता। वहीं लवलीना बोर्गोहेन ने विमेंस 75 किग्रा सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नताल्या बोगदानोवा को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

स्क्वॉश में दोनों टीमों ने पक्के किए मेडल

भारतीय महिला स्क्वॉश टीम ने सिंगापुर को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

और मेडल पक्का किया। तन्वी खन्ना ने वाई लिन ऑ योंग को 3-1 और अनाहत सिंह ने वाई यान ऑ योंग को 3-0 से हराया। पुरुष टीम ने कुबैत को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वीर छत्रानी ने बादेर अलमोगरेबी को 3-1 और अभय सिंह ने अम्मार अल-तमिमी को 3-0 से हराया।

टेनिस: सुमित त्वाार्टरफाइनल में

सुमित नागल ने पुरुष सिंगल्स के तीसरे दौर में उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को 6-3, 6-2 से हराकर क्वा्टरफाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला चीन के वू यीबिंग से होगा। हालांकि पुरुष डबल्स में युकी भांबरी और धक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी क्वा्टरफाइनल में चीनी ताइपे की हो चैनजुई-ह्सू यू-ह्सिओउ जोड़ी से 6-7 (5-7), 3-6 से हार गई।

सुनील कुमार ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

सुनील कुमार ने पुरुषों के ग्रीको-रोमन 87 किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए रेसलिंग का पहला मेडल हासिल किया। हांगझोऊ में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले सुनील ने ताजिकिस्तान के मुहम्मद सुल्तानजोडा को 9-0 से टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर हराकर शानदार अंदाज में सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताइजु योशिदा (जो मौजूदा 20 वर्ल्ड चैंपियन हैं) से 0-11 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने जुबरदस्त वापसी की और ब्रॉन्ज मेडल के मुक़ाबले में फ़िलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स को 9-0 से हराकर लगातार एशियन गेम्स में मेडल अपने नाम किया।



गिल ने ढोका तूफानी दोहरा शतक, रोहित भी शतकवीर

भारत ने पहली बार 400 रन का टारगेट चेज कर वेस्टइंडीज से जीती सीरीज

गुवाहाटी। टीम इंडिया ने अपने 52 साल के वनडे इतिहास में पहली बार 400 रन से ऊपर का टारगेट चेज कर लिया है। बुधवार को गुवाहाटी में खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 405 रन बनाए। जवाब में भारत ने 43.3 ओवर में 2 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। इसी के साथ भारत ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से जीत ली। कप्तान शुभमन गिल भारत की जीत के हीरो रहे। उन्होंने वनडे क्रिकेट की सबसे तेज डबल सेंचुरी बनाई। गिल ने 117 गेंदों पर 200 रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने 133 बॉल पर 223 रन बनाए। 26 चौके और 8 छक्के भी



जमाए।

गिल ने रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 255 रन की पार्टनरशिप की। रोहित ने भी सेंचुरी जमाई और 101 रन की पारी खेली। विराट कोहली 29 रन बनाकर आउट हुए। गिल के साथ ऋराज गायकवाड 31 रन बनाकर नाँटआउट रहे।

गिल ने तोड़ा ईशान किशन का रिकॉर्ड

गिल ने सबसे तेज डबल सेंचुरी जमाने के मामले में भारत के ही ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा है। ईशान ने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों पर दोहरा शतक पूरा किया था।

अल्प बचत योजनाओं पर

व्याज दरों में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्र सरकार ने अपनी विभिन्न अल्प बचत योजनाओं पर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए व्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। वित्त मंत्रालय के बुधवार को जारी एक कार्यालय मेमोरैंडम के अनुसार इन योजना पर व्याज दरें वर्तमान स्तर पर ही बनी रहेंगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष से लेकर अब तक अल्प बचत योजनाओं की व्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एक साल की मियादी जमा पर व्याज दर 6.9 प्रतिशत, दो साल की जमा पर 7.0 प्रतिशत, तीन साल 7.1 प्रतिशत, पांच साल की जमा पर 7.5 प्रतिशत, पांच साल की आवर्ती जमा योजना पर 6.7 प्रतिशत, पांच वर्षीय राष्ट्रीय बचत-पत्र योजना पर 7.7 प्रतिशत तथा लोक भविष्य निधि पर 7.1 प्रतिशत व्याज की दर लागू रहेगी। इसके अलावा पांच वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर व्याज दर 8.2 प्रतिशत तथा सुकन्या समृद्धि खाता योजना पर 8.2 प्रतिशत व्याज दर बनी रहेगी।

आज घोषित होगा क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का कार्यक्रम

नयी दिल्ली (वार्ता)।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) एक अक्टूबर को केप टाउन में आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का शेड्यूल जारी करेगी। यह इवेंट रात 8:30 बजे से जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव दिखाया जाएगा। इसके साथ ही टूर्नामेंट के लिए एक साल की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। टूर्नामेंट 2 अक्टूबर को शुरू होगा और फाइनल रविवार, 21 नवंबर को खेला जाएगा। इस इवेंट में फ्रैंस के लिए टिकट बिलेट की शुरुआत भी होगी। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 14 में से 10 टीमें 30 सितंबर की क्वालिफिकेशन कट-ऑफ तारीख तक अपनी जगह पक्की कर लेंगी। मेज़बान, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को ऑटोमैटिक एंट्री मिलेगी और आठ टीमें वनडे रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई करेंगी। भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बंगलादेश इन दो मेज़बान



टीमों के साथ जुड़ेंगे, जबकि बाकी चार जगहों का फ़ेसला क्वालिफ़ायर से होगा, जो अगले साल की शुरुआत में खेले जाएंगे। दो बार की चैंपियन वेस्ट इंडीज को भी अगले साल के इस बड़े इवेंट में अपनी जगह पक्की करने के लिए क्वालिफ़िकेशन प्रक्रिया से गुज़रना होगा। भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा, जो अपना आखिरी क्रिकेट वर्ल्ड कप खेलने की तैयारी कर रहे हैं, उनकी नज़रें इस चार साल में होने वाले टूर्नामेंट में अपनी-अपनी यात्रा को ट्रॉफी के साथ शानदार ढंग से खत्म करने पर टिकी हैं। भारत के नए घरेलू सीज़न की

शुरुआत में जियोस्टार से बात करते हुए, रोहित शर्मा – जिन्होंने वेस्ट इंडीज़ और अमेरिका में 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी – ने ट्रॉफी उड़ाने के उस अहसास को फिर से जीने की इच्छा जताई। वहीं, विराट कोहली – जिन्होंने 15 साल पहले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीती थी – भारत के लिए फिर से यह खिताब जीतने के लिए अपना सब कुछ झोंकने की तैयार हैं। रोहित शर्मा ने कहा, आने वाला वनडे वर्ल्ड कप जीतना बहुत शानदार होगा। मैं अभी फुल सर्कल (सब कुछ पूरा होने) जैसी बातों के बारे में नहीं सोच रहा हूँ। भारत के

लिए वर्ल्ड कप जीतना एक खास अहसास है। मैंने टी20 फॉर्मेट में दो बार ऐसा अनुभव किया है। 2007 में, मैं सिर्फ 20 साल का युवा था। बेशक, यह एक बड़ा टूर्नामेंट है; अपने पहले ही साल में वर्ल्ड कप जीतना बहुत बड़ी बात है। फिर हमने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफ़ी जीती, और उसके बाद लगभग 11 साल का लंबा समय ऐसा रहा जब हम कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पाए। इसीलिए, जब हमने 2024 में टी 20 वर्ल्ड कप जीता, तो हमें एहसास हुआ कि यह कितना महत्वपूर्ण था। वह अहसास अभी भी काफी हद तक मेरे अंदर है। मुझे पता है कि वर्ल्ड कप जीतने पर कैसा लगता है। इसलिए मैं वह अहसास फिर से पाना चाहता हूँ। हमने जो मजा किया, उस अहसास को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। इसीलिए वह वर्ल्ड कप जीतना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि मैं वही अहसास फिर से पाना चाहता हूँ जो हमने हाल ही में महसूस किया था।

एसोचैम ने पेश किया नया बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स

अप्रैल-सितंबर में सूचकांक में औसत वृद्धि 5.6 प्रतिशत

नयी दिल्ली, (वार्ता)। देश के सबसे पुराने उद्योग मंडल एसोचैम ने उद्योग जगत और सरकार को घरेलू अर्थव्यवस्था की नब्ज की सही पहचान में सहायता के लिए व्यवसाय जगत की सोच पर आधारित एक नया बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स शुरू करने की बुधवार को यहां घोषणा की। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने उद्योगमंडल की वार्षिक बैठक से पहले पायलट के अंधार पर शुरू किये एक एसोचैम बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स (एबीसी इंडेक्स) की घोषणा करते हुए कहा , इस सूचकांक का अगले छह महीने तक उद्योगजगत, मीडिया और विशेषज्ञों के सुझाव के आधार पर इसका परिमार्जन किया जाएगा। अप्रैल, 2027 में इसे विधिवत प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सूचकांक भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सहज ढंग से एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करेगा और

प्रमुख संकेतों को लेकर जमीनी स्तर पर व्याप्त व्यापक सोच को समझने में सरकार और उद्योग-व्यवसाय जगत को मदद करेगा। एसोचैम के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ एस पी शर्मा के नेतृत्व में तैयार किये गये एबीसी इंडेक्स में नियमित रूप से जारी किये जाने वाले 20 संकेतकों को शामिल किया गया है। इनमें मासिक जीएसटी संग्रह, यात्री वाहनों की बिक्री, सेंसेक्स, इंडिया कंपोजिट पर्वेजिंग मैनेजर्स सूचकांक (पीएमआई), निर्यात, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक(आईआईपी), प्रमुख उद्योगों का उत्पादन सूचकांक (आईसीआई), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), बैंक कर्ज, डिजिटल भुगतान की संख्या, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई), विदेशी मुद्रा भंडार, सकल घरेलू प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), विविगम दर, रेपो दर, जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर, बेरोजगारी दर, जीडीपी के समक्ष चालू खाते का घाटा (कैड) , राजकोषीय घाटा तथा सरकार के आर्थिक सुधारों के प्रभाव पर उद्योग व्यवसाय जगत, विशेष रूप से एमएसएमई उद्यमों की सूचकांक आधारित राय शामिल है। वर्ष 2023-24 को आधार (100 अंक) मान कर तैयार किये गये इस सूचकांक की पहली रिपोर्ट सितंबर 2029 के बारे में जारी की गयी जिसमें सूचकांक 128.5 हो गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर, 2026 में सूचकांक में औसत वृद्धि 5.8 प्रतिशत रही।

सेंट्रम एयर ने हैदराबाद और ताशकंद के बीच सीधी उड़ान शुरू की

नयी दिल्ली (वार्ता) उज्बेकिस्तान की सबसे बड़ी निजी विमान सेवा कंपनी सेंट्रम एयर ने हैदराबाद और ताशकंद के बीच सीधी यात्री सेवा शुरू की है। एयरलाइंस ने बुधवार को बताया कि यह सेवा सप्ताह में दो दिन उपलब्ध होगी। उड़ान संख्या सी6 551 ताशकंद से सोमवार और गुरुवार को रवाना होगी। हैदराबाद से ताशकंद की उड़ान मंगलवार और शुक्रवार तड़के रवाना होगी। इस सेवा का शुरुआत 28 सितंबर को हुई। इससे पहले, पिछले साल उसने दिल्ली और ताशकंद के बीच उड़ान शुरू की थी। सेंट्रम एयर ने बताया कि ताशकंद उसका मुख्य हब है। यात्री मध्य एशिया और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एयरलाइन के बड़े नेटवर्क का भी



लाभ उठा सकते हैं। सेंट्रम एयर के एजेंट्स डिवीजन के प्रमुख आदिल मिर्जा ने कहा, हैदराबाद-ताशकंद रूट की शुरुआत भारत में सेंट्रम एयर के विस्तार में एक अहम पड़ाव है। हैदराबाद और दक्षिण भारत का बड़ा इलाका एक अहम बाजार है, और यह सीधी सेवा यात्रियों को उज्बेकिस्तान तक आसानी से पहुंचने में मदद करेगी। साथ ही दोनों देशों के

बीच पर्यटन, व्यापार और कारोबार के मौकों को भी बढ़ायेगी। हम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस बाजार को और विकसित करने के लिए उत्सुक हैं। भारत में सेंट्रम एयर ने एयरोप्राइम रूप को एकमेव जनरल सेल्स एजेंट (जीएसए) नियुक्त किया है। एयरोप्राइम ग्रुप के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक गोयल ने कहा, हमें सेंट्रम एयर की सीधी हैदराबाद-ताशकंद सेवा शुरू करने में मदद करने की खुशी है। दिल्ली से सप्ताह में दो उड़ानें शुरू करने के एक साल के अंदर ही सेंट्रम एयर ने अब अपनी सेवा बढ़ाकर सप्ताह में सात उड़ानें कर दी हैं, जो नयी दिल्ली और हैदराबाद को ताशकंद से जोड़ती हैं।

दिन भर हरे निशान में रहने के बाद लुढ़का सेंसेक्स

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट देखी गई और बीएसई का 30 शेयर्स वाला सेंसेक्स लगभग पूरे दिन हरे निशान में रहने के बाद अंत में 49 अंक नीचे बंद हुआ। सेंसेक्स 188 अंक गिरकर 72,441.15 अंक पर खुला, लेकिन कुछ ही देर में हरे निशान में पहुंच गया। हालांकि आखिरी घंटे में हुई बिकवाली से यह 48.78 अंक (0.07 प्रतिशत) के नुकसान में 72,480.29 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी-50 सूचकांक में सेंसेक्स की तुलना में

अधिक उतार-चढ़ाव देखा गया। यह 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत नीचे 22,620.45 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का इस साल 30 मार्च के बाद का निचला स्तर है। वृहत बाजार में मिलाजुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.01 फीसदी फिसल गया। स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.27 प्रतिशत की बढ़त में रहा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी स्वास्थ्य 2.57 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 1.84 प्रतिशत और निफ्टी मेटल 1.50 प्रतिशत टूट गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में 1.35 प्रतिशत और एफएमसीजी में 0.63 प्रतिशत की गिरावट रही। मीडिया



समूह का सूचकांक 2.74 प्रतिशत, रिटर्ली समूह का 1.62 प्रतिशत और रसायन समूह का 1.19 प्रतिशत चढ़ गया। बैंकिंग, आईटी और तेल एवं गैस समूह भी हरे

से 17 कंपनियों के शेयर टूट गए। इटरनल का शेयर सबसे अधिक 2.31 प्रतिशत टूटा। सन फार्मा में 2.15 फीसदी और टाइटन में 2.01 फीसदी की गिरावट रही। अडानी पोर्ट्स और टाटा स्टील दोनों के शेयर 1.76 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक का शेयर 1.43 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.26, इंफोसिस का 1.04 और भारती एयरटेल का 1.01 प्रतिशत टूट गया। ट्रेट, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, आईटीसी और भारती स्टेट बैंक भी नुकसान में रहे।

कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 2.86 फीसदी ऊपर रहा। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर

2.31 प्रतिशत, इंडिगो का 2.05, एक्सिस बैंक का 1.41 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.18 प्रतिशत की बढ़त में रहा। टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनाॅलिवर, बीईएल, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.94 प्रतिशत, हांगकांग का हेंग सेंग 0.37 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.31 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुक्राती कारोबार में जर्मनी का डेक्स 0.56 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.21 प्रतिशत नीचे था।

नई कृषि तकनीक करेगी किसानों को लाभान्वित : डॉ. मोहन यादव

उमरिया को जल्द ही मिलेगी बड़ी फूड प्रोसेसिंग यूनिट की सौगात

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ अनेक जनहितैषी निर्णय लिए हैं। किसानों को नई तकनीक का लाभ दिया जा रहा है। उमरिया जिला कोयला भंडारों के लिए प्रसिद्ध है, जिसे काला सोना भी कहते हैं। यहां स्थित बांधवगढ़ किला मध्यप्रदेश की शान है। उमरिया जिला प्राकृतिक औषधि और वन्यजीव संपदा से समृद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा उमरिया जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिya उइके, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिले के किसानों को उपज का समुचित मूल्य दिलवाने के लिए नई कृषि तकनीक और खाद्य



प्रसंस्करण को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तम खेती के लिए सिंचाई सुविधाएं बेहद जरूरी हैं। इसीलिए राज्य सरकार ने हर गांव और हर खेत को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान धान और श्रीअन्न फसलों के उपार्जन के लिए समय रहते पंजीयन कराएं, ताकि एमएसपी का लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि इसी सीजन से किसानों को दिन में भी 10 घंटे बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन को किसान चौपाल लगाकर

हितग्राहियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं किसान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान गोपालन, दूध उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, उद्यानिकी फसलों और जैविक-प्राकृतिक खेती को अपनाकर अपनी आय बढ़ाएं। उन्होंने उमरिया के किसानों को बताया कि शीघ्र ही जिले में एक बड़ी फूड प्रोसेसिंग यूनिट शुरू होगी। इससे युवाओं को रोजगार

के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन को पंचायत स्तर पर दुग्ध संकलन समितियों के पंजीयन कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से कस्टम हार्विंग सेंटर और सोलर पंप जैसी कृषक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

निःशुल्क रजिस्ट्री का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा कार्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान जारी

है। राज्य सरकार जिलों में जन विश्वास अभियान के जरिए भी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दे रही है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्र के अभिलेखों की निशुल्क रजिस्ट्री करवाई जा रही है। किसानों को भी इस स्वामित्व योजना का लाभ मिल रहा है। संपत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से हितग्राही बैंक लोन और अन्य आवश्यकताओं के लिए इसे उपयोग कर पाएंगे।

प्रदेशभर में सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षित और समृद्ध मध्यप्रदेश बनाने के लिए राज्य सरकार स्कूली बच्चों को कई सौगातें दे रही है। शासकीय स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप और स्कूटी दी गई है। प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को निःशुल्क किताबें, ड्रेस और साइकिलें वितरित की जा रही हैं। प्रदेशभर में सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बलराम कृषि महोत्सव के लिए उमरिया में उपस्थित मंत्री नागर सिंह चौहान और पूर्व मंत्री मीना सिंह से भी संवाद किया।

युवा शक्ति से होगा समाज और राष्ट्र का निर्माण : लोधी

सेवा संकल्प अभियान की पावन कलश वंदन यात्रा पहुंची तेंदूखेड़ा

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण का संदेश लेकर बड़नगर से वाराणसी तक निकाली जा रही सेवा संकल्प अभियान की पावन कलश वंदन यात्रा मंगलवार को जबेरा विधानसभा क्षेत्र के तेंदूखेड़ा पहुंची। यात्रा के आगमन पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। सेवा संकल्प अभियान परिवार की ओर से विभिन्न स्थानों पर बाइक सवारों का बैंड-बाजे एवं पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। यात्रा के जबेरा विधानसभा क्षेत्र की सीमा



में प्रवेश करने पर प्रथम ग्राम झमरा में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने यात्रा में शामिल बाइक सवारों का स्वागत किया। इसके बाद तारादेही, समनापुर और धनगौर में स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुए। दोपहर 3 बजे चौरई स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर अभिनंदन किया गया जबकि

दोपहर 3:30 बजे तारादेही तिराहे पर स्वागत हुआ। शाम 5 बजे गौशाला के समीप विद्यासागर सदन में स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विद्यासागर सदन में आयोजित सेवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यममंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने स्वामी

विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा चुनौतियां अनेक हैं लेकिन उनके समाधान में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं ने सदैव समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक दायित्वों को समझते हुए देश के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

राज्यमंत्री ने कहा राष्ट्रसेवाएं अनुशासन, सकारात्मक सोच और समाज के प्रति समर्पण युवाओं के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। यात्रा प्रभारी कुलदीप जडेजा ने कहा मध्यप्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का 12वां दिन है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में यात्रा का जिस प्रकार स्वागत और सम्मान किया जा रहा है।

जनसुनवाई में जिला अस्पताल ने दी कार्रवाई की जानकारी

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशानुसार आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण के संबंध में जिला चिकित्सालय दमोह के सचिव सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गई। पत्र में विभिन्न आवेदकों की समस्याओं पर की गई कार्रवाई और प्राप्ति का उल्लेख किया गया है। जनसुनवाई में जाहर सिंह आदिवासी की यूडीआईडी कार्ड से संबंधित समस्या के निराकरण के लिए स्थायी दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्राप्ति पर बताई गई। ज्योति लोधी के 30 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाण पत्र संबंधी मामले में प्रमाण पत्र जारी नहीं होने की शिकायत पर नियमानुसार 30 प्रतिशत दिव्यांगता दर्ज होने की जानकारी दी गई।

अभा राठौर क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने सीताराम राठौर



दमोह (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविलास राठौर ग्वालियर की अध्यक्षता में अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय समाज का निर्वाचन किया गया। जिसमें सभी स्वजातीय बंधुओं में अपने अपने मतों का प्रयोग किया। इस निर्वाचन प्रक्रिया में सभी पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर सीताराम राठौर मल्ल भैया को मनोनीत किया। इस निर्वाचन के दौरान सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रायपुर में आयोजित किया गया जिसमें श्री राठौर को शॉल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और समाज के प्रति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर समाज के संपूर्ण देश भर के स्वजातीय लोगों की उपस्थिति रही। श्री राठौर मल्ल भैया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाये जाने पर रामलाल राठौर, प्रीतम राठौर, सुमित राठौर, केशव राठौर, उमेश राठौर, अमित राठौर के अलावा सभी स्वजातीय बंधुओं व इष्ट मित्रों ने बधाई दी हैं।

दीदी कैफे से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहीं स्वसहायता समूह की महिलाएं



दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। जबेरा में जय मां काली स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित दीदी कैफे महिलाओं के आत्मविश्वास, मेहनत और

स्वावलंबन का उदाहरण बनकर उभरा है। आजीविका मिशन परिसर जबेरा में संचालित दीदी कैफे में चाय, नाश्ता, भोजन सहित विभिन्न खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। ग्राहक की मांग और मौसम के अनुसार विभिन्न पकवान एवं नाश्ते की वैरायटी तैयार करने से कैफे को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। सामग्री की खरीदारी से लेकर भोजन तैयार करने, ग्राहकों को सर्विस देने तथा काउंटर के हिसाब किताब तक का कार्य समूह की महिलाएं स्वयं संभाल रही हैं।

दीदी कैफे की संचालक सविता रैकवार एवं कृष्णा रैकवार ने बताया कि समूह से जुड़ने और ऋण लेकर व्यवसाय शुरू करने के बाद उनसे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। अब वे बच्चों की पढ़ाई सहित परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने में सक्षम हैं।

16.80 करोड़ रुपये की लागत से तैयार फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट का 3 अक्टूबर को होगा शुभारंभ

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह करेंगे संयंत्र का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में दुग्ध प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों के उत्पादन को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भोपाल सहकारी दुग्ध संघ परिसर में तैयार किए गए फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट का 3 अक्टूबर 2026 को शुभारंभ होगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह इस संयंत्र का शुभारंभ करेंगे। भारत सरकार के 6 करोड़ रुपये के अनुदान तथा भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के 10.80 करोड़ रुपये के



अंशदान से तैयार इस परियोजना की कुल लागत 16.80 करोड़ रुपये है। संयंत्र की दूध प्रसंस्करण क्षमता 40 हजार लीटर प्रतिदिन है।

प्रतिदिन तैयार होंगे विभिन्न मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद-फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी में आधुनिक मशीनरी एवं तकनीक के माध्यम से विभिन्न

मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद तैयार किए जाएंगे। परियोजना के अनुसार यहां प्रतिदिन 10 हजार लीटर दूध, 10 हजार लीटर दही और 30 हजार लीटर छाछ के उत्पादन की क्षमता होगी। इसके अलावा प्रतिदिन 1 हजार लीटर लस्सी, 800 किलोग्राम श्रीखंड और 1 हजार किलोग्राम

मावा तैयार किया जा सकेगा। इस संयंत्र के माध्यम से दूध से बनने वाले विभिन्न उत्पादों के उत्पादन को आधुनिक एवं व्यवस्थित प्रसंस्करण व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इससे सांची के मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की उत्पादन क्षमता और विविधता को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सांची के मूल्यवर्धित उत्पादों को मिलेगा विस्तार-फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी के संचालन से सांची के मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। आधुनिक प्रसंस्करण सुविधा के माध्यम से उपभोक्ताओं को जरूरतों के अनुरूप दही, छाछ, लस्सी, श्रीखंड और मावा जैसे उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकेगा। मूल्यवर्धन के माध्यम से दूध को विभिन्न उत्पादों में

परिवर्तित कर उसकी उपयोगिता बढ़ाने के साथ दुग्ध प्रसंस्करण विनिष्पन्न की पूरी श्रृंखला को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा। प्रबंध संचालक भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित श्री जयदेव बिस्वास ने बताया कि फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट भोपाल दुग्ध संघ के लिए आधुनिक दुग्ध प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस संयंत्र के माध्यम से दही, छाछ, लस्सी, श्रीखंड और मावा सहित विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार के सहयोग और भोपाल दुग्ध संघ के योगदान से तैयार यह परियोजना सहकारी डेयरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



चुनाव आयुक्त को हटाने कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला फूंक

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला कांग्रेस कमेटी ने दोपहर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के तीन पुतले जलाने की कोशिश की जिसे पुलिस ने पुतले बुझाने और उन्हें कब्जे में लेने का प्रयास

किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के जरिए ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की गई। प्रदर्शन में जिलेभर से आए कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। दमोह जिले

के प्रभारी और पूर्व मंत्री हर्ष यादव भी मौजूद रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले पंडाल में बैठकर नारेबाजी की। इसके बाद ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाने की कोशिश की। पुलिसकर्मीयों ने पुतले पर लगी आग बुझाने और उसे कार्यकर्ताओं से लेने का प्रयास किया। इस दौरान धक्कामुक्की हुई और पुलिस ने पुतला अपने कब्जे में ले लिया।

विश्व रेबीज दिवस पर मेगा वैक्सिनेशन कैंप संपन्न

85 पशुओं का हुआ निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण

दमोह (स्वतंत्र मत)। विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर जिला पशु चिकित्सालयए प्रोफेसर कॉलोनी में विशाल निःशुल्क एंटी रेबीज वैक्सिनेशन कैंप आयोजित किया गया। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के



निर्देशन में आयोजित शिविर में डॉंगए बिल्ली, गाय एवं बकरी सहित कुल 85 पशुओं का टीकाकरण किया गया इस संबंध में उप संचालक कृषि एवं पशुपालन डॉ. केपी कुर्मी ने बताया शिविर में दमोह की काल भैरव फाउंडेशन ने भी सक्रिय सहयोग किया। फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा आवारा कुत्तों को पकड़कर उनका टीकाकरण कराया गया। साथ ही पशु चिकित्सालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया। रेबीज के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दमोह के विभिन्न विद्यालयों में भी जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों को रेबीज के संक्रमण, लक्षण, बचाव एवं पशुओं के प्रति मानवीय व्यवहार की जानकारी दी गई।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS RESHMA PRAGI AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS RESHMA PRAGI KHAN W/O MUNEER KHAN TAJ RESIDENT OF - H.NO. 605, MIRJA GALIB MARG, ALLAHBADI DAWAKHANA, NAYA MOHALLA, JABALPUR (M. P.) 482001..

कार्यालय सभागीय अधिकारी सभाग क्रमांक - 13 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.आ. अधि. 13/मुख्यालय 26-27/एम-190 दिनांक 30.09.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी, नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG-134 श्री दीनानाथ भट्ट पिता स्व. श्री दिलीप भट्ट के नाम आवंटित है, जिसका विलेख दिनांक 17.04.2014 को आवंटि के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री दीनानाथ भट्ट पिता स्व. श्री दिलीप भट्ट ने पंजीकृत विलेख विलेख दिनांक 16.09.2026 के माध्यम से श्री अमित साह पिता स्व. श्री मुन्ना लाल साह को विक्रय किया है। अतः श्री अमित साह, पिता स्व. श्री मुन्ना लाल साह द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वेद आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्विवाद अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधीक्षन विकास मण्डल,प्रदेश जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधीक्षन विकास मण्डल वैष्णव रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी, नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक Sr. LIG 619 श्री मलय कुमार गुप्ता पिता श्री राम विशाल गुप्ता के नाम आवंटित है, जिसका विलेख दिनांक 26.11.2019 को आवंटि के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री मनोज कुमार गुप्ता पिता श्री राम विशाल गुप्ता ने पंजीकृत हक्याण दिनांक 23.09.2026 के माध्यम से श्रीमती पूनम जैन पति श्री राकेश जैन को हक्याण किया है। अतः श्रीमती पूनम जैन पति श्री राकेश जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भवन / भूखण्ड बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वेद आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्विवाद अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधीक्षन विकास मण्डल,प्रदेश जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधीक्षन विकास मण्डल वैष्णव रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी, नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक Sr. LIG 619 श्री मलय कुमार गुप्ता पिता श्री राम विशाल गुप्ता के नाम आवंटित है, जिसका विलेख दिनांक 26.11.2019 को आवंटि के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री मनोज कुमार गुप्ता पिता श्री राम विशाल गुप्ता ने पंजीकृत हक्याण दिनांक 23.09.2026 के माध्यम से श्रीमती पूनम जैन पति श्री राकेश जैन को हक्याण किया है। अतः श्रीमती पूनम जैन पति श्री राकेश जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भवन / भूखण्ड बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वेद आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्विवाद अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधीक्षन विकास मण्डल,प्रदेश जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.) द्वितीय निविदा सूचना

N.I.T. No/PWD/ E-tendering/PRO/628			Date 30/09/2026		
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत पणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://1.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।					
क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_539829_1 30/09/2026	संभाग क्रमांक-02 कछपरा अंतर्गत विभिन्न वार्डों के अंतर्गत वर्षाजल एवं आगामी लीवहारा को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न कार्य	06 माह रु. 4.23 लाख	रु. 2000/- रु. 4237/-	08/10/2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन <https://1.mptenders.gov.in> की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन सत्री लोककर्म विभाग नगर निगम, जबलपुर



►► ओमती थाना क्षेत्र की घटना, जांच में जुटी पुलिस

बदमाशों ने रास्ते में घेरकर युवक को मारा चाकू

जबलपुर। बड़ी ओमती से छोटी ओमती मार्ग पर बीती रात करीब 12:30 से 1 बजे के बीच पुरानी रंजिश को लेकर चाकूबाजी की घटना सामने आई है। पीडित राम रैकवार अपने साथी के साथ घमापुर स्थित घर जा रहा था। इसी दौरान चंडालभाटा निवासी सूर्या मलिक अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद करने लगा।विवाद के दौरान मारपीट हुई और आरोपियों ने राम रैकवार पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में उसकी पीठ और पेट पर चोटें आई हैं। घायल राम को तत्काल इलाज के लिए विकटोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओमती पुलिस ने आरोपी सूर्या मलिक और उसके साथियों के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

►► डीआरएम ने विदाई समारोह में दी शुभकामनाएं

एमरे के 15 रेल कर्मचारी हुए सेवानिवृति

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में माह सितंबर 2026 में सेवानिवृत्त हुए 15 रेल कर्मचारियों के सम्मान में 30 सितंबर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर में सामान्य सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर कमल कुमार तलरंजा ने सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रदान किए तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रदीप कुमार सिंह, यशवंत सिंह, राजेंद्र सिंह ठाकुर, राजेंद्र कुमार शर्मा, श्री दयाराम सहित माह सितंबर में सेवानिवृत्त हुए सभी रेल कर्मचारियों को रेल प्रशासन की ओर से सम्मान एवं शुभकामनाएं दी गईं।



स्वतंत्र मत जबलपुर

जबलपुर

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026 12

छात्रा की मौत का आरोपी शिक्षक अचानक पहुंच गया स्कूल

लीव लगाकर छुपाई गिरफ्तारी की जानकारी, नाबालिग की आत्महत्या के मामले में हुई थी जेल



जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

17 नाबालिग की आत्महत्या के मामले में शिक्षक संतोष पटेल ने गिरफ्तारी की जानकारी शिक्षा विभाग से छिपाई। किशोरी को चोर और डायन कहने के मामले में शिक्षक को 19 अगस्त 2026 को जेल भेजा गया था। मामले में 3 और आरोपी थे। जानकारी अनुसार करीब 10 दिन बाद शिक्षक

जमानत पर बाहर आ गया। मेडिकल लीव का आवेदन लगाकर दोबारा स्कूल ज्वाइन कर लिया। करीब डेढ़ महीने तक विभाग को जानकारी नहीं दी। स्कूल की प्राचार्या ने 3 सितंबर को डीईओ को पत्र भेजा, तब मामले का खुलासा हुआ। शिक्षक के स्कूल लौटने के बाद सगड़।छपनी स्कूल की प्राचार्या ने बताया उन्हें शिक्षक संतोष कुमार पटेल का आवेदन मिला था। इसमें

शिक्षक ने दावा किया था कि पारिवारिक विवाद के चलते उसके खिलाफ झूठा प्रकरण दर्ज कराया गया है। प्राचार्या को पत्र में शिक्षक की 19 अगस्त की गिरफ्तारी, सेंट्रल जेल भेजे जाने और जमानत के बाद रिहाई की जानकारी भी दी गई थी। इसके बाद प्राचार्या ने शिक्षा विभाग को जानकारी दी। पत्र 8 सितंबर को डीईओ कार्यालय में प्राप्त हुआ।

नाबालिग को पंचायत

बुलाकर दिखाया था वीडियो

पुलिस जांच के मुताबिक 19 अक्टूबर 2025 को संतोष पटेल, राममिलन पटेल, अशोक पटेल और राजेश पटेल ने किशोरी के रिश्तेदारों और परिवार के लोगों को बुलाकर पंचायत की थी। इसमें किशोरी के चरित्र और उसकी गतिविधियों को लेकर आरोप लगाए गए। वहां मौजूद लोगों को वीडियो स्क्रीन पर दिखाया गया। यह वीडियो 15 अक्टूबर को कैमरे लगाकर बनवाया गया था। किशोरी और उसके माता.पिता की मौजूदगी में हुई पंचायत में उस पर चोरी समेत अन्य आपत्तिजनक आरोप लगाए गए। अपमानित करने वाले शब्द कहे गए। पिता से कथित तौर पर 3 लाख रुपए हजाने के रूप में मांगने की धमकी भी दी गई। इस घटना के बाद माता-पिता ने किशोरी को कुछ दिनों के लिए मामा के घर भेज दिया था। 10 नवंबर 2025 को उसने वहीं जहर खा लिया। परिजन उसे बरगी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालात गंभीर होने पर जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बरगी पुलिस ने करीब 10 महीने बाद संतोष पटेल समेत चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

कल से प्रारंभ होगा गांधी से गोविंददास तक पखवाड़ा

शहीद स्मारक और हितकारिणी सभा का संयुक्त आयोजन, 2 अक्टूबर को रैली और भजनों के साथ होगा

पखवाड़े का भव्य आगाज



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहीद स्मारक ट्रस्ट एवं हितकारिणी सभा के संयुक्त तत्वावधान में कल 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती से 16 अक्टूबर सेठ गोविंद दास जयंती तक गांधी से गोविंद दास तक राष्ट्र, साहित्य, संस्कृति एवं सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के संबंध में जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस वार्ता को हितकारिणी सभा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नित्य निरंजन खंपरिया ने संबोधित किया। श्री खंपरिया ने बताया कि इस पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, स्वदेशी एवं सेवा के विचारों से जोड़ना तथा सेठ गोविंद दास जी के साहित्यिक व राष्ट्रसेवी योगदान से परिचित कराना है। इसके माध्यम से जबलपुर की स्वतंत्रता संग्राम और साहित्यिक विरासत को भी सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। पखवाड़े का मुख्य शुभारंभ कल 2

अक्टूबर को प्रातः 11:30 बजे शहीद स्मारक स्थित गोविंद एस रंगमंच में होगा। इससे पूर्व प्रातः 10:30 बजे हितकारिणी महिला महाविद्यालय से छात्र-छात्राओं द्वारा एक रैली निकाली जाएगी जो शहीद स्मारक पहुंचेगी। यहाँ गांधीजी को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मुख्य कार्यक्रम शुरू होगा।

16 अक्टूबर को होगा भव्य समापन

16 अक्टूबर को सेठ गोविंद दास जयंती के अवसर पर पखवाड़े का समापन होगा। इस दौरान उनके जीवन, साहित्य व राष्ट्रसेवा पर व्याख्यान, साहित्यिक प्रस्तुतियां और पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। 2 से 16 अक्टूबर के बीच शहर की विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक संस्थाओं में स्वदेशी, ग्राम स्वराज, हिंदी साहित्य, भारतीय भाषाओं व युवा राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर व्याख्यान, निबंध, भाषण, वाद-विवाद, चित्रकला, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी एवं पुस्तक समीक्षा जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रेस वार्ता में विद्या परिषद के मंत्री एड. जयेश राठौर, हितकारिणी महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नीलेश पाण्डेय, महाकौशल शहीद स्मारक के प्रबंधक आरके टहंगरिया, हितकारिणी सभा के ओएसडी सतीष रांका, दिनेश ठाकुर सहित अनेक पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

आयुष्मान प्रोत्साहन राशि से वंचित न रहे पात्र चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के संबंध में विभिन्न विसंगतियों और समस्याओं को लेकर मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ (जिला स्वास्थ्य समिति) ने आवाज उठाई है। संघ के प्रतिनिधियों ने आयुष्मान भारत योजना के अध्यक्ष डॉ सचिन कुचिया को एक ज्ञापन सौंपकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करने और पात्र कर्मचारियों को शीघ्रतिथीशीघ्र भुगतान कराने का आग्रह किया। ज्ञापन के माध्यम से संघ ने प्रमुख मांग रखी कि आयुष्मान प्रोत्साहन राशि की पात्रता सूची से बाहर रखे गए पदों जैसे धोबी, डोमेस्टिक सर्वेंट, किचन सर्वेंट, ओटी अटेंडेंट, चौकीदार, लिफ्ट मैन ऑपरेटर एवं सफाई कर्मचारियों को नियमानुसार पात्रता सूची में शामिल किया जाए।



चुनाव आयोग के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

मुख्य चुनाव अधिकारी के इस्तीफे की मांग, पैदल मार्च निकालकर किया पुतला दहन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर कांग्रेस कमेटीए जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी टाउन हॉल में एकत्रित हुए और वहां से पैदल मार्च करते हुए जिला

निर्वाचन कार्यालय पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। जुला निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि कांग्रेस



पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर

जनता का विश्वास कायम रहना जरूरी है। कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे। प्रदर्शन में जिला अध्याक्ष सौरभ शर्मा, विधायक लखन चनघोरिया, पूर्व विधायक तरुण चौबे, वीरेंद्र चौबे, रूपेन्द्र पटेल, सम्मति सेनी, दिनेश यादव, विनोद श्रीवास्तव, कौशल्या गोटिया, अंजू बघेल, प्रियंका

सोनी, अर्चना दहिया, कमलेश यादव, सुनीता मिश्रा, रश्मिणी गोटिया, राजेश तिवारी, विक्रम सिंह, चतुर सिंह लोधी, बबुआ शुक्ला, शिव नामदेव, विवेक यादव, राजेश चौबे, कोड़ी लाल राय, गुड्डा चौबे, मदन लारिया, सुभाष पटेल, सत्येन्द्र गर्ग, राम विनय कर्सोलिया, सोने लाल पटेल, सुकृति त्रिपाठी, प्रवीण चौबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमडीआर के विरोध में नो यूपीआई डे का आह्वान वापस

यूपीआई मुद्दे पर देश भर के वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 20 वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल नेए चांदनी चौक से सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर 2,000 से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.40 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट के संबंध में व्यापारिक समुदाय की चिंताओं से उन्हें अवागत करया। प्रतिनिधिमंडल में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया, ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल, ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन कैलाश



लाखयानी तथा ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा सहित विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले अनेक प्रमुख व्यापारिक नेता शामिल थे। मीडिया को जानकारी देते हुए प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि

वित्त मंत्री के साथ हुई सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा तथा व्यापारिक संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर समुचित विचार किए जाने के आश्वासन के बाद, ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन और ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन ने 2 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित नो यूपीआई डे के आह्वान को वापस लेने का निर्णय किया है। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और व्यापारिक संगठनों के बीच निरंतर संवाद के माध्यम से ऐसा व्यावहारिक और टिकाऊ समाधान निकलेगाए जो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ देश के करोड़ों व्यापारियों एवं एमएसएमई उद्यमों के हितों की भी रक्षा करेगा।

आटो में फंसकर घिसटते चले गए बाइक सवार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाटन थानान्तर्गत ग्राम तिलगवां के पास बीती रात 11 बजे के लगभग मोटर साइकल सवार दो लोगों को ई-आटो ने टक्कर मार दी। आटो की टक्कर लगते ही बाइक सवार गिरकर फंस गए, जिन्हें आटो चालक घसीटते हुए काफी दूर तक ले गयाए जिससे दोनों के शरीर पर गंभीर चोटें आईं। राह चलते लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जबलपुर के अस्पताल पहुंचाया। वहीं पुलिस ने पूछताछ के बाद आटो चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रामनगर रद्दी चौकी अधारताल निवासी अलादीन अंसारी अपने बहनोई अरीफ खान, बुआ की बेटी बहान शबनम परवीन और भाई कुतुबुद्दीन अंसारी के साथ 11 वीं शरीफ में शामिल होने रिश्तेदारी में पाटन आया था। एवं पर कार्यक्रम में शामिल होकर सभी लोग दो मोटर साइकल से रात 11 बजे के लगभग जबलपुर के लिए रवाना हो गए।

बिना टिकट यात्रा करने वालों की धरपकड़क, मचा हड़कंप

जबलपुर रेल मंडल में चला सघन टिकट जांच अभियान, 78 यात्रियों से 67 हजार का जुर्माना वसूला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। यात्रियों को बेहतर, सुगम एवं व्यवस्थित रेल यात्रा उपलब्ध कराने तथा उचित टिकट के साथ यात्रा करने के प्रति यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जबलपुर रेल मंडल द्वारा जबलपुर-कटनी रेलखंड पर सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। सहायक वाणिज्य प्रबंधक धर्मेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चल टिकट निरीक्षकों एवं आरपीएफ स्ट्राफ के सहयोग से संचालित इस अभियान के दौरान 78 से अधिक यात्रियों को अनुचित टिकट के साथ यात्रा करते हुए पाया गयाए जिससे रेलवे द्वारा नियमानुसार 66,800 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

अभियान के दौरान ट्रेन संख्या 13202 का ऑर्बोर्ड निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान



यात्रियों को बेहतर एवं स्वच्छ यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए कोचों में साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की गई तथा संबंधित ठेकेदार को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। पेंटी कार के निरीक्षण के दौरान अनुपयोगी सामग्री एवं उत्पादों को हटवाया गया। साथ ही खाद्य सामग्री तैयार करने एवं यात्रियों को परोसेस समय स्वच्छता एवं सावधानी के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही ट्रेन में एक अवैध बैंडर भी पकड़ा गया जिसके विरुद्ध कार्यवाही की गई। टिकट जांच

अभियान के दौरान रेलकर्मियों ने यात्रियों से संवाद कर रेल सेवाओं एवं यात्री सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी प्राप्त कियाए ताकि प्राप्त सुझावों के आधार पर यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त झुंकेही एवं ननवारा गुड्स शेड में मूलभूत सुविधाओं, वाणिज्य गतिविधियों रेल राजस्व से संबंधित रिकॉर्ड का अनुरक्षण तथा संरक्षा संबंधित निर्देशों के अनुपालन के संबंध में भी निरीक्षण किया गया तथा माल परिवहन से संबंधित व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया गया।

हिंदी पखवाड़े का हुआ समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संत अलॉयसियस हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में स्वशासी महाविद्यालय में हिंदी साहित्य सभा के द्वारा हिंदी पखवाड़े का गरिमामय आयोजन किया गया। उद्घेखनीय है कि सभा के द्वारा हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसके परिणाम में निबंध प्रतियोगिता में क्रमशः मेधा निर्मलकर, प्रियम, दीपाली पटेल ने, काव्यपाठ प्रतियोगिता मेंप्रद्युम्न सेनए चंद्रमौली दुबे, अनन्या पाठक एवं अनामिका दीक्षितने, भाषण प्रतियोगिता में समर्थ खनेजा, मेधा निर्मलकर, जसमीत सिंहने, सोनम प्रतियोगिता में सोनम अहिरवार, प्रवीण मिश्रा, प्रियंका ने, लघु कथा प्रतियोगिता में दीपाली पटेल, प्रियांशा पक्षिण, खुशी झा आदि विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजनस्वागत गीत से



महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर प्रियंका एवं समुह के द्वारा हिंदी भाषा पर मधुर गीत की प्रस्तुति दी गई। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रीना थॉमसका संदेश इस प्रकार था कि प्राचीन काल से ही हिंदी हमारी संस्कृति, परंपराओं एवं साहित्य की संवाहक रही है। आयोजन में डॉ विश्वास पटेल, डॉ मंजू मारिया सोलोमन, डॉ एंथॉनिमा रॉबिन, डॉ तुहिन जौहरी, डॉ अभिलाषा शुक्ला, डॉअर्चना पंसारी का विशेष योगदान भी

RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX	
THE VYAAAN - FORCE OF THE FORREST (HINDI)	10:30 AM, 12:30 PM, 1:30 PM, 4:30 PM, 7:30 PM, & 10:20 PM
THE PARADISE (HINDI) (A-18+)	9:30 AM & 10:40 PM 6:30 PM
AVENGERS: ENDGAME: ENCORE	HINDI (3D) - 9:00 AM & 3:30 PM
HEART OF THE BEAST (ENG)	7:30 PM
MIRZAPUR (HINDI) (A-18+)	11:30 AM, 3:00 PM & 9:45 PM 7:00 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	12:50 PM, 3:50 PM, 6:50 PM & 9:50 PM
@moviemagic_jbp	
Bulk Booking / Advertising 9425807507	
Movie Magic, Zero Avenue Mall, Narmada Road 9425807508	